धनबाद, बुधवार
15 अप्रैल 2026
वर्ष : 03 अंक : 195
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

ब्रीफ न्यूज

हरिद्वार कुंभ स्नान की तिथियां घोषित, मेष संक्रांति 14 अप्रैल 2027 को होगा प्रमुख अमृत स्नान

हरिद्वार, (एजेंसी) : धर्मनगरी में अगले वर्ष होने वाले कुंभ पर्व के स्नान की तिथियां कुंभ मेला प्रशासन ने घोषित कर दी हैं। कुंभ का प्रमुख अमृत स्नान 14 अप्रैल 2027 को मेष संक्रांति पर होगा।

कुंभ में स्नान पर्व की तिथियों की जानकारी देते हुए कुंभ मेला अधिकारी सोनिका ने बताया कि 14 अप्रैल 2027 को मकर संक्रांति के प्रमुख अमृत स्नान के अलावा महाशिवरात्रि का अमृत स्नान 6 मार्च 2027 को जबकि फागुन अमावस्या का अमृत स्नान 8 मार्च 2027 को होगा। उन्होंने बतायाकि इन तीन प्रमुख स्नान के अलावा 14 जनवरी 2027 मकर संक्रांति, 6 फरवरी 2027 मौनी अमावस्या, 11 फरवरी 2027 बसंत पंचमी, 20 फरवरी 2027 माघ पूर्णिमा, 7 अप्रैल 2027 नव संवत्सर, 15 अप्रैल 2027 श्रीरामनवमी तथा 20 अप्रैल 2027 चैत्र पूर्णिमा को भी कुम्भ स्नान की तिथियां में शामिल किया गया है।

रक्षा क्षेत्र की नई चुनौतियों को परास्त करने की दक्षता हासिल करें: राष्ट्रपति

गांधीनगर, (एजेंसी) : भारत की राष्ट्रपति (श्रीमती) द्रौपदी मुर्मु ने रक्षा क्षेत्र का अध्ययन करने वाले युवाओं से आह्वान किया है कि वे नए दौर की चुनौतियों का निदान करने की दक्षता हासिल करें। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में सुरक्षा परिदृश्य और जटिल होता जाएगा। कुछ वर्ष पहले तक हम डिजिटल अरेस्ट (आभासी गिरफ्तारी), साइबर क्राइम (साइबर अपराध), फिशिंग अटैक्स (धोखाधड़ी वाले हमले) जैसे शब्दों से परिचित नहीं थे। लेकिन ये आज बहुत बड़े खतरे के रूप में हमारे सामने हैं। ऐसी परिस्थिति में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों का महत्व और उत्तरदायित्व बढ़ जाता है।

राष्ट्रपति ने दो दिवसीय गुजरात दौरे के समापन से पूर्व गांधीनगर स्थित राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में को संबोधित करते हुए सुरक्षा की नई चुनौतियों के प्रति आगाह किया। इस अवसर पर भारत के चर्चित राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को विश्वविद्यालय ने डाक्टरेट की मानद उपाधि से भी सम्मानित किया। राष्ट्रपति ने उन्हें यह सम्मान प्रदान करते हुए उनकी बधाई दी।

छत्तीसगढ़ के सक्ती में वेदांता पावर प्लांट में बॉयलर ब्लास्ट में 9 मजदूरों की मौत, कई गंभीर

सक्ती, (एजेंसी) : छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में वेदांता पावर प्लांट में मंगलवार को दोपहर बाद बॉयलर में हुए जोरदार ब्लास्ट में अब तक 9 मजदूरों की मौत हो गई है जबकि कई की हालत गंभीर बनी हुई है।

पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठ-ाकुर ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि 3 मजदूरों की मौत मौके पर ही हो गई थी जबकि 6 मजदूरों ने अस्पताल में दम तोड़ा। इस हादसे में 18 घायलों को रायगढ़ के जिंदल फोर्टिस अस्पताल भेजा गया था, जहां 6 मजदूरों ने दम तोड़ दिया। बाकी 12 घायलों की हालत गंभीर है। सभी मजदूर 80 प्रतिशत झुलसे बताए जा रहे हैं। यह घटना सक्ती जिले के डभरा थाना क्षेत्र की है।

बताया गया कि सिंघीतराई स्थित वेदांता पावर प्लांट में रोजाना की तरह सामान्य काम चल रहा था। इस दौरान दोपहर बाद करीब 2 बजे अचानक बॉयलर में ब्लास्ट हो गया, जिससे 30 से 40 मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। इससे प्लांट में अफरा तफरी और चीख पुकार मच गयी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। तुरंत ही घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।

बताया जा रहा है कि बॉयलर का ट्यूब फटने से यह हादसा हुआ है। रायगढ़ के अलावा 11 घायलों को खरसिया के पद्मावती अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

चुनाव खत्म होते ही पेट्रोल 18 और डीजल 35 रुपए होंगे महंगा!

तेल कंपनियों का दबाव बढ़ा, उपभोक्ताओं पर पड़ेगा असर

एक्साइज कटौती के बाद भी राहत नहीं, कंपनियों का घाटा जारी

नई दिल्ली (एजेंसी) : कच्चे तेल की लगातार बढ़ती कीमतों के चलते देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बड़ा उछाल देखने को मिल सकता है। विदेशी ब्रोकरेज फर्म मैक्वायरी की एक रिपोर्ट के अनुसार पेट्रोल करीब 18 रुपए प्रति लीटर और डीजल 35 रुपए प्रति लीटर तक महंगा हो सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल महंगा होने के बावजूद भारत में फिलहाल पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर रखे गए हैं, जिससे तेल कंपनियों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। अनुमान है कि पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों में चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद कंपनियां कीमतों में बढ़ोतरी कर सकती हैं। मौजूदा स्थिति में तेल कंपनियों को प्रति लीटर पेट्रोल पर लगभग 18 रुपए और डीजल पर 35 रुपए तक का नुकसान हो रहा है। पिछले महीने जब कच्चे तेल की कीमतें अपने उच्च स्तर पर थीं, तब तीनों प्रमुख तेल कंपनियों को प्रतिदिन करीब 2,400 करोड़ रुपए का नुकसान झेलना पड़ा। हालांकि केंद्र सरकार द्वारा एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपए की कटौती के बाद यह घाटा घटकर करीब 1,600 करोड़ रुपए प्रतिदिन रह गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में हर 10 डॉलर की बढ़ोतरी से कंपनियों का नुकसान करीब 6 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ जाता है। ऐसे में आने वाले समय में उपभोक्ताओं पर ईंधन महंगाई का सीधा असर पड़ सकता है।अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का फायदा भारतीय तेल कंपनियों को बड़े पैमाने पर हुआ है। विशेषज्ञों के अनुसार, जब-जब क्रूड ऑयल सस्ता हुआ, तब सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने पेट्रोल और डीजल के दामों में उसी अनुपात में कटौती नहीं की, जिससे उन्हें उल्लेखनीय मुनाफा हुआ।

जानकारों का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में ऐसे कई मौके आए जब कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई, लेकिन घरेलू बाजार में ईंधन की कीमतें अपेक्षाकृत स्थिर रखी गईं। इस अंतर से तेल कंपनियों के मार्जिन में वृद्धि हुई और उन्होंने हजारों करोड़ रुपये का अतिरिक्त लाभ अर्जित किया। हालांकि, तेल कंपनियों का तर्क है कि यह मुनाफा अस्थायी होता है और उन्हें वैश्विक बाजार में कीमतों के उतार-चढ़ाव, सब्सिडी के बोझ और सरकार के कर ढांचे के कारण कई बार घाटा भी उठाना पड़ता है।

सम्राट चौधरी ने पेश किया सरकार बनाने का दावा, आज सुबह 11 बजे लेंगे शपथ

पटना, (एजेंसी) : बिहार में राजनीतिक बदलाव के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने नई सरकार गठन का दावा राज्यपाल के समक्ष पेश कर दिया है। भाजपा विधायक दल और राजग विधानमंडल दल के नेता चुने जाने के बाद उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को राज्य का अगला मुख्यमंत्री बनाए जाने की प्रक्रिया औपचारिक रूप से आगे बढ़ गई है।

मंगलवार शाम राजग के शीर्ष नेतृत्व के साथ सम्राट चौधरी ने राजभवन पहुंचकर राज्यपाल सैयद अता हसनैन से मुलाकात की और सरकार गठन का दावा प्रस्तुत किया। राज्यपाल ने इस दावे को स्वीकार कर लिया है। 15 अप्रैल (बुधवार) सुबह 11 बजे शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। उनके साथ नई कैबिनेट के अन्य मंत्री भी शपथ ग्रहण करेंगे।

सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा, राजग (एनडीए) नेतृत्व के साथ राज्यपाल से भेंट कर सरकार गठन का दावा पेश किया गया है। जनता के विश्वास के साथ बिहार विकास, सुशासन और समृद्धि के नए अध्याय की ओर बढ़ेगा।

इससे पहले, निवर्तमान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को कैबिनेट की अंतिम बैठक में अपने इस्तीफे की घोषणा की और मंत्रिपरिषद भंग करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। इसके बाद उन्होंने राजभवन पहुंचकर राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप दिया।

नीतीश कुमार ने बिहार में दो दशकों से अधिक समय तक मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया। उनके इस्तीफे के बाद भाजपा विधानमंडल दल की बैठक में सम्राट चौधरी को सर्वसम्मति से नेता चुना गया, जिसे बाद में राजग विधानमंडल दल ने भी मंजूरी दी।

राजनीतिक घटनाक्रम के बाद बिहार में सत्ता परिवर्तन का रास्ता साफ हो गया है और अब नई राजग सरकार के गठन की औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं।

अग्निशमन सेवा सप्ताह पर राज्यपाल संतोष गंगवार ने की जागरूकता बढ़ाने की अपील

रांची, (एजेंसी) : झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मंगलवार को रांची स्थित लोक भवन में महानिदेशक, गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवाएं एमएस भाटिया ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान ह्यअग्निशमन सेवा सप्ताहह्ल के अवसर पर उन्हें बैज पहनाया गया।

इस मौके पर राज्यपाल ने अग्निशमन सेवाओं की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आपदा और आपातकालीन परिस्थितियों में अग्निशमन कर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि ये कर्मी अपने साहस, कर्तव्यनिष्ठा और तत्परता से जन-धन की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं।

राज्यपाल ने ह्यअग्निशमन सेवा सप्ताहह्ल के माध्यम से आम लोगों में अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे सुरक्षा उपायों के प्रति सजग रहें और आपदा से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां अपनाएं।

इस अवसर पर अग्निशमन विभाग द्वारा चलाए जा रहे जन-जागरूकता अभियानों की भी जानकारी दी गई, जिनका उद्देश्य लोगों को आग से बचाव और आपातकालीन स्थिति में सही कदम उठाने के प्रति जागरूक करना है।

मुख्यमंत्री ने की तपोवन मंदिर में पूजा-अर्चना, राज्य की खुशहाली की कामना

रांची (एजेंसी) : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन ने मंगलवार को रांची के निवारणपुर स्थित श्री राम जानकी तपोवन मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने राज्य वासियों के सुख, समृद्धि, खुशहाली और उन्नति की कामना की।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंदिर के निर्माण और सौंदर्यीकरण कार्य से जुड़े सभी पहलुओं की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि श्री राम जानकी तपोवन मंदिर न केवल आस्था का प्रमुख केंद्र है, बल्कि रांची की एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक धरोहर भी है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि मंदिर के रिनोवेशन और ब्यूटीफिकेशन का कार्य बड़े स्तर पर चल रहा है और इसमें राज्य सरकार की ओर से हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मंदिर को भव्य और आकर्षक रूप देने के साथ-साथ श्रद्धालुओं की सुविधा का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा। यहां आने वाले लोगों के लिए बेहतर व्यवस्थाएं विकसित की जाएंगी,

ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु यहां सहज और सुविधाजनक तरीके से दर्शन कर सकें।इस अवसर पर विधायक कल्पना सोरेन ने भी मंदिर के विकास कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह स्थल धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वास जताया कि निर्माण कार्य पूरा होने के बाद यह मंदिर और अधिक आकर्षण का केंद्र बनेगा।उल्लेखनीय है कि श्री राम जानकी तपोवन मंदिर नवनिर्माण समिति ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में मुख्यमंत्री से शिष्टाचार मुलाकात की थी। इस दौरान समिति के प्रतिनिधियों ने मंदिर में चल रहे नवनिर्माण कार्य की प्रगति से उन्हें अवगत कराया था। साथ ही उन्हें स्थल का निरीक्षण करने के लिए आमंत्रित किया था।

रांची में अंबेडकर जयंती पर राज्यपाल-मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि, संविधान के मूल्यों को अपनाने का आह्वान

रांची, (एजेंसी) : झारखंड की राजधानी रांची में अंबेडकर जयंती के अवसर पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने डोरंडा स्थित अंबेडकर चौक पर डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे और बाबा साहेब के योगदान को याद किया गया।राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर न केवल भारतीय संविधान के शिल्पकार थे, बल्कि संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने देश को ऐसा मजबूत संविधान दिया, जो लोकतंत्र, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व जैसे मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के योगदान के कारण ही भारत आज विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में स्थापित है।उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने देश को एक समावेशी और न्यायपूर्ण दिशा प्रदान की। उनके द्वारा निर्मित संविधान

ने हर नागरिक को समान अधिकार, स्वतंत्रता और गरिमा के साथ जीवन जीने का अवसर दिया। राज्यपाल ने उनके जीवन को संघर्ष, संकल्प और आत्मविश्वास का अद्भुत उदाहरण बताते हुए कहा कि विपरीत परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने उच्च शिक्षा हासिल की और समाज में व्याप्त भेदभाव तथा असमानता के खिलाफ आजीवन संघर्ष किया। उनका मानना था कि शिक्षा सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम है।राज्यपाल ने यह भी कहा कि आज जरूरत है कि हम उनके विचारों को केवल याद ही न करें, बल्कि उन्हें अपने जीवन में उतारें। एक समरस और सशक्त समाज के निर्माण में सभी की भागीदारी ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।इस मौके पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में बाबा साहेब का योगदान अविस्मरणीय है और उनके द्वारा निर्मित संविधान को पूरा देश नमन करता है।मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि बाबा साहेब एक महान समाज सुधारक थे, जिन्होंने गरीब, पिछड़े, शोषित और वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे उनके जीवन मूल्यों और आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज में समानता और न्याय स्थापित करने में अपना योगदान दें।

मुख्यमंत्री को 'अग्निशमन सेवा सप्ताह' का बैज लगाया

रांची (एजेंसी) : मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन से आज कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में पुलिस महानिदेशक गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा श्री एम० एस० भाटिया ने भेंट की तथा 'अग्निशमन सेवा सप्ताह' के अवसर पर उन्हें बैज लगाया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अग्निशमन सेवा सप्ताह की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने अग्निशमन विभाग के कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि 'अग्निशमन सेवा सप्ताह' के तहत राज्य में अग्नि सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक किया जाना एक सराहनीय कार्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अग्निशमन सेवा के जवान अपनी जान की परवाह किए बिना लोगों की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। आपदा के समय अग्निशमन सेवा कर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। राज्य सरकार द्वारा अग्निशमन सेवा से जुड़े संसाधनों को निरंतर मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा की सीबीआई जांच की मांग युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ व राजनीतिक ढोंगः कांग्रेस

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : उत्पाद सिपाही परीक्षा में सीबीआई जांच की मांग को लेकर भाजपा के राज्यपाल से मिलने पर प्रदेश कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। प्रदेश महासचिव आलोक दूबे और मुख्य प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव ने इसे भाजपा का सुनियोजित राजनीतिक नाटक करार दिया।श्री दूबे ने कहा कि जिस परीक्षा में पेपर लीक की पुष्टि तक नहीं हुई, वहां सीबीआई जांच की मांग करना एक राजनीतिक साजिश है।उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा झारखंड में भी यूपी-बिहार जैसे हालात पैदा करना चाहती है।उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्य आरोपी अतुल वत्स की गिरफ्तारी राज्य सरकार की गंभीरता को दर्शाती है।वहीं लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि भाजपा हर परीक्षा को बाधित कर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करती है।जब आयोग ने साफ कर दिया है कि पेपर लीक नहीं हुआ और 166 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं, तब सीबीआई का राग अलापना केवल राज्य की एजेंसियों का मनोबल गिराने और मामले को लटकाने की कोशिश है।कांग्रेस नेताओं ने कहा कि भाजपा अपनी हताशा छिपाने के लिए संवैधानिक संस्थाओं का सहारा लेकर भ्रम फैला रही है।

कैबिनेट की बैठक बुधवार को,आ सकता है वित्त आयोग के अवधि विस्तार का प्रस्ताव

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में 15 अप्रैल को कैबिनेट की बैठक होगी।नये वित्तीय वर्ष में यह पहली कैबिनेट की बैठक है। इसमें झारखंड राज्य वित्त आयोग को अवधि विस्तार देने से संबंधित प्रस्ताव आ सकता है। गौरतलब है कि झारखंड वित्त आयोग का कार्यकाल समाप्त हो गया है।तीन सदस्यीय वित्त आयोग के अध्यक्ष सेवानिवृत्त आइएएस अधिकारी एपी सिंह थे। सदस्य हरीश्वर दयाल और पंचायती राज निदेशक थे।आयोग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 की अनुशंसा राज्य को दी थी।इसी अनुशंसा के आलोक में भारत सरकार ने पंचायतों के लिए राशि आवंटित की है।बताया गया कि उक्त तीनों पदाधिकारियों को अगले वित्तीय वर्ष के लिए अवधि विस्तार दिये जाने की संभावना है।कैबिनेट की बैठक में कई अन्य प्रस्ताव भी आयेंगे।इसमें कोर्ट के आदेश के अनुपालन से संबंधित प्रस्ताव शामिल हैं।

वाहन के धक्के से टूटा पूर्वी रेलवे फाटक, चालक सहित वाहन जब्त

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

साहिबगंज : मालदा रेल मंडल अंतर्गत साहिबगंज स्थित पूर्वी रेलवे फाटक एक वाहन के धक्के से क्षतिग्रस्त हो गया।इस घटना के बाद करीब आधे घंटे तक सड़क पर जाम की स्थिति बनी रही, जिससे आवागमन प्रभावित हुआ।प्राप्त जानकारी के अनुसार, उक्त वाहन में विवाह समारोह का सामान लोड था। घटना के बाद मौके पर पहुंची आरपीएफ की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वाहन को जब्त कर लिया।इस संबंध में आरपीएफ निरीक्षक गुलाम सरवर ने बताया कि पूर्वी रेलवे फाटक को नुकसान पहुंचाने के मामले में वाहन चालक और वाहन दोनों को जब्त कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

महुआ के खाद्य पदार्थों को प्रमोट करने के लिए डॉ वासवी को मिला पुरस्कार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : सामाजिक कार्यकर्ता डॉ वासवी किड़ो को मंगलवार को बेंगलुरू में एक समारोह में पेन टू पावर अवार्ड प्रदान किया गया।यह अवार्ड द ब्लू डॉन और नेशनल फेडरेशन ऑफ दलित विमोन के संयुक्त तत्वावधान में प्रदान किया गया।डॉ वासवी को महुआ के खाद् उत्पादों के वैल्यू एडीशन करने और होड़ौपैथी को प्रमोट करने के लिए पुरस्कृत किया गया है। डॉ वासवी को अवार्ड बुकर पुरस्कार विजेता भानु और नेशनल फेडरेशन ऑफ दलित विमेन की प्रेसीडेंट डॉ रूथ मनोरमा के हाथों से मिला।अवार्ड के तहत प्रशस्ति पत्र और पचास हजार रुपए की राशि प्रदान की गयी।डॉ वासवी ने बताया कि बेंगलुरू में दो दिवसीय कार्यक्रम के तलत बुधवार को डॉ वासवी महुआ उत्पादों के बारे में व्याख्यान देंगी।

झारखंड वॉलीबॉल संघ के नये कार्यालय का उद्घाटन

रांची : राजधानी के बिरसा मुंडा स्टेडियम मोरहाबादी में झारखंड वॉलीबॉल संघ के नवनिर्मित कार्यालय का उद्घाटन हुआ।राज्य सरकार के खेल विभाग की पहल पर, प्रदेश के सभी खेल संघों को संगठित करने के उद्देश्य से कार्यालय का उद्घाटन किया गया है।उद्घाटन समारोह में संरक्षक शेखर बोस और शेखर जमुआर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए।इस अवसर पर जिला खेल पदाधिकारी शिवेन्द्र सिंह, झारखंड ओलंपिक संघ के कोषाध्यक्ष शिवेन्दु दूबे और वॉलीबॉल संघ के कार्यकारी अध्यक्ष सुनील सहाय व सीइओ निशिकांत पाठक सहित कई दिग्गज उपस्थित थे। शिवेन्दु दूबे ने कहा कि स्थायी कार्यालय मिलने से संघ की प्रशासनिक कार्यप्रणाली सुदृढ़ होगी और खिलाड़ियों के चयन व प्रशिक्षण में पारदर्शिता आयेगी। चेयरमैन सुबोधकांत सहाय और अध्यक्ष आरके आनंद सहित संघ के पदाधिकारियों ने हर्ष जताया है। कार्यक्रम के अंत में सुनील सहाय ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।यह नया केंद्र राज्य में वॉलीबॉल के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

झारखंड प्लस टू शिक्षक संघ ने दी आंदोलन की चेतावनी

रांची : झारखंड प्लस टू शिक्षक संघ ने अपनी मांगों को लेकर आंदोलन की चेतावनी दी है।संघ के प्रदेश संरक्षक सुनील कुमार ने बताया कि शिक्षा विभाग प्लस टू शिक्षकों की समस्याओं के समाधान को लेकर गंभीर नहीं है।उन्होंने कहा है कि प्लस टू विद्यालय शिक्षक नियुक्ति एवं सेवा शर्त नियमावली के तहत प्लस टू शिक्षकों को 12 वर्षों की सेवा पूर्ण करने के बाद वरीय वेतनमान दिया जाना अनिवार्य है। वर्ष 2012 में नियुक्त शिक्षकों की यह अवधि अगस्त 2024 में पूर्ण हो गयी है।दो वर्ष बीत जाने के बाद भी अब तक उन्हें इस लाभ से वंचित रखा गया है।उन्होंने कहा है कि अगर विभाग जल्द संघ की मांगों पर कार्रवाई नहीं करता है तो शिक्षक आंदोलन करेंगे।

बाबा साहेब ने देश को दी लोकतांत्रिक शक्तिः आदित्य साहू

रांची : भारत रत्न डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर मंगलवार को प्रदेश कार्यालय में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदित्य साहू व नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने बाबा साहेब के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि उन्होंने न केवल संविधान का निर्माण किया, बल्कि स्वतंत्र भारत को एक न्यायपूर्ण और लोकतांत्रिक स्वरूप भी दिया। उन्होंने कहा, बाबा साहेब ने संविधान के माध्यम से वंचितों के उत्थान का मार्ग प्रशस्त किया।

नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में जुटी हजारों महिलाएं, संजय सेठ ने कहा,पंचायत से पार्लियामेंट तक निर्णय में होगी नारी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर रांची में भव्य सम्मेलन आयोजित हुआ, जिसमें हजारों महिलाओं की सहभागिता रही। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर उपस्थित जनसमूह ने पीएम नरेंद्र मोदी के प्रति आभार प्रकट किया।पंचायत से पार्लियामेंट तक, निर्णय में नारी, नव भारत की तैयारी थीम पर आधारित यह कार्यक्रम पूर्णतः नारी शक्ति को समर्पित रहा, जिसमें महिलाओं की अभूतपूर्व भागीदारी ने इसे उत्सव का स्वरूप प्रदान किया।कार्यक्रम का आयोजन रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, रांची की महापौर रोशनी खलखो, रांची विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो० सरोज शर्मा, विनीता सिंघानिया

(पूर्व अध्यक्ष, समर्पण संस्था), विजयश्री साबू (अध्यक्ष, महिला माहेश्वरी सभा) तथा राष्ट्रीय कवयित्री व लेखिका पुष्पा सहाय विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन उषा जालान ने किया।सम्मेलन का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ तथा उपस्थित महिलाओं का पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया। साथ ही, महिलाओं को दिए गए आरक्षण के लिए देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया गया।सम्मेलन में बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का माहौल पूर्णतः प्रेरणादायी एवं ऊर्जा से परिपूर्ण रहा, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि आज की नारी समाज और राष्ट्र निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

सम्मेलन के उपरांत आर्यभट्ट सभागार से एक विशाल पदयात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों महिलाओं ने भाग लिया। यह पदयात्रा मोराबादी स्थित बापू वाटिका तक निकाली गई, जहां सभी ने राष्ट्रपिता को श्रद्धासुमन अर्पित किए और नारी सशक्तिकरण के संकल्प को दोहराया।श्री सेठ ने इस अवसर पर कहा कि नवभारत की नारी को पंचायत से पार्लियामेंट तक निर्णय में भागीदारी देनी है। इस उद्देश्य से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने यह अधिनियम लाया है। यह सिर्फ अधिनियम नहीं है, यह इस सपने के पूरा होने जैसा है जो आजादी के बाद हमारे देश की मातृशक्ति देखती थीं। श्री सेठ ने कहा कि यह भव्य आयोजन न केवल नारी शक्ति के सम्मान और सशक्तिकरण का प्रतीक बना, बल्कि यह संदेश भी दिया कि विकसित भारत के निर्माण में महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व अत्यंत महत्वपूर्ण है।

पीवीयूएनएल पतरातू में अग्निशमन सेवा सप्ताह का शुभारंभ, शहीद अग्निकर्मियों को दी गई श्रद्धांजलि

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : पीवीयूएनएल पतरातू परियोजना में मंगलवार को अग्निशमन सेवा सप्ताह का शुभारंभ किया गया।कार्यक्रम का आयोजन केऔसुब इकाई के कमांडेंट विभु सिंह प्रतिहार के मार्गदर्शन में किया गया।समारोह के मुख्य अतिथि पीवीयूएनएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अशोक कुमार सहगल उपस्थित थे।कार्यक्रम की शुरूआत शहीद अग्निशमन कर्मियों को पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई।मुख्य अतिथि एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ उपस्थित सभी बल सदस्यों ने भी पुष्प अर्पित कर शहीदों को नमन किया।इस दौरान बाम्बे डाकयार्ड अग्निकांड सहित विभिन्न अग्नि दुर्घटनाओं में शहीद हुए कर्मियों को दीप प्रज्वलित कर याद किया गया।साथ ही अग्नि सुरक्षा से संबंधित बुकलेट एवं पोस्टर का विमोचन भी किया गया।समारोह में पीवीयूएनएल के महाप्रबंधक, अवर महाप्रबंधक, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, केऔसुब इकाई पतरातू के निरीक्षक एवं अन्य बल सदस्य उपस्थित थे।कार्यक्रम का संचालन निरीक्षक (अग्नि) अनिल

कुमार ने किया।कमांडेंट विभु सिंह प्रतिहार ने अपने संबोधन में बताया कि अग्निशमन सेवा सप्ताह का उद्देश्य कर्मचारियों, आम नागरिकों और स्कूली बच्चों में अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।उन्होंने कहा कि अग्निशमन कर्मियों को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब हम सुरक्षा उपायों को अपने जीवन में अपनाएं और दुर्घटनाओं को रोकने का प्रयास करें।बताया गया कि सप्ताह के दौरान विभिन्न संस्थानों में फायर फाइटिंग एवं फर्स्ट एड प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।मुख्य अतिथि सीईओ अशोक कुमार सहगल ने अपने संबोधन में केऔसुब अग्निशमन शाखा के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि परियोजना की सुरक्षा में इसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।उन्होंने कहा कि अग्नि दुर्घटनाओं को कम करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके लिए कर्मचारियों एवं समाज के हर वर्ग को जागरूक होना होगा।उन्होंने इस वर्ष के थीम सेफ स्कूल, सेफ हॉस्पिटल, और फायर सेफ्टी अवेयर सोसाइटी टूगेदर फोर फायर प्रीवेंशन पर बल देते हुए कहा कि सुरक्षित विद्यालय, सुरक्षित अस्पताल और जागरूक समाज ही आग की घटनाओं को रोकने में सक्षम होंगे।उन्होंने सभी से अपील की कि अग्नि सुरक्षा के नियमों का पालन करते हुए एक सुरक्षित वातावरण के निर्माण में सहयोग करें।कार्यक्रम के अंत में सहायक समादेष्टा गोरधन जाट ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

उत्पाद सिपाही परीक्षा पेपर लीक : भाजपा ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन, सीबीआई जांच की मांग

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड में प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं और पेपर लीक का मामला एक बार फिर तूल पकड़ लिया है।मंगलवार को भाजपा के एक उच्चस्तरीय नौ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने लोक भवन में राज्यपाल संतोष गंगवार से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने 12 अप्रैल को आयोजित उत्पाद सिपाही परीक्षा में हुई धांधली और जेएसएससी व जेपीएससी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए सात सूत्री मांग पत्र सौंपा और पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग की। राज्यपाल को सौंपे गये ज्ञापन में भाजपा ने आरोप लगाया कि तमाड़ के एक निमार्णाधीन भवन में परीक्षा माफियाओं द्वारा अभ्यर्थियों को प्रश्न-पत्र रटाये जा रहे थे। इस मामले में पुलिस ने 150 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है और भारी मात्रा में कंप्यूटर, लैपटॉप और संदिग्ध दस्तावेज बरामद किये हैं।दावा किया गया है कि प्रत्येक अभ्यर्थी से 15-15 लाख रुपये में सौदा तय हुआ था। भाजपा ने सवाल उठाया कि जब एक केंद्र पर इतनी बड़ी गड़बड़ी मिली है, तो राज्य के अन्य 370 केंद्रों की शुचिता पर भी संदेह लाजिमी है नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी और प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के नेतृत्व में पहुंचे इस दल ने कहा कि जेएसएससी इतनी बड़ी गिरफ्तारियों के बावजूद पेपर लीक से इनकार कर रहा है, जिससे आयोग की भूमिका संदिग्ध लगती है।उन्होंने आरोप लगाया कि हेमंत सरकार के कार्यकाल में युवाओं के भविष्य की नीलामी हो रही है। ज्ञापन में पिछली परीक्षाओं (सीजीएल, जेपीएससी) का हवाला देते हुए कहा गया कि राज्य की एजेंसियां निष्पक्ष जांच करने में विफल रही हैं, इसलिए केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच कराना अनिवार्य है।भाजपा ने उत्पाद सिपाही परीक्षा के पेपर लीक की सीबीआई जांच कराने, सॉल्वर गैंग, परीक्षा एजेंसी और आयोग के बीच सांठगांठ का पदार्फाश करने, पिछले 6 वर्षों में जेएसएससी और जेपीएससी द्वारा आयोजित सभी परीक्षाओं की उच्चस्तरीय जांच कराने व दोषियों पर कड़ी कार्रवाई और परीक्षा प्रणाली में पारदर्शी सुधार करने की मांग की है।प्रतिनिधिमंडल में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदित्य साहू, कर्मवीर सिंह, राकेश प्रसाद, भानु प्रताप शाही, बालमुकुंद सहाय, नवीन जायसवाल, सीपी सिंह व अमित मंडल शामिल थे।

संगठित अपराध पर सख्ती के निर्देश, धमकी देने पर तुरंत प्राथमिकी दर्ज करें: डीआईजी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : उत्तरी छोटानागपुर क्षेत्र हजारीबाग के पुलिस उप-महानिरीक्षक अंजनी कुमार झा ने संगठित आपराधिक गिरोहों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।उन्होंने कहा कि किसी भी व्यवसायी या संवेदक को मिली धमकी पर तत्काल प्राथमिकी दर्ज की जाए। मंगलवार को रामगढ़ पुलिस कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान डीआईजी ने जनवरी 2026 से अब तक जिले में संगठित गिरोहों द्वारा की गई फायरिंग, आगजनी, पोस्टरबाजी व धमकी से जुड़े मामलों की कांडवार समीक्षा की।बैठक में पुलिस अधीक्षक अजय कुमार, सहायक पुलिस अधीक्षक सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पतरातु गौरव गोस्वामी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, थाना व ओपी प्रभारी तथा अनुसंधानकर्ता मौजूद थे।समीक्षा के दौरान डीआईजी ने गिरोह को सूचना देने वाले स्थानीय तत्वों की पहचान कर उनके खिलाफ विधि-सम्मत कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी तेज करने और साक्ष्य के आधार पर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजने को कहा।उन्होंने प्रतिदिन समय और स्थान बदलकर एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाने तथा उसकी प्रविष्टि रक्षक ऐप में अनिवार्य रूप से करने का निर्देश दिया।इसके साथ ही आसूचना तंत्र को मजबूत करने, संगठित अपराधियों के खिलाफ कुर्की-जब्ती की कार्रवाई तेज करने और सभी गिरोहों का डेटाबेस तैयार करने पर जोर दिया।तकनीकी निगरानी पर बल देते हुए डीआईजी ने ई-प्रिजन के माध्यम से अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखने और जेल से बाहर आए अपराधियों का सत्यापन करने को कहा। साथ ही मामलों में त्वरित ट्रायल कराकर दोषियों को सजा दिलाने का निर्देश दिया।उन्होंने थाना क्षेत्रों के प्रवेश एवं निकास मार्गों पर स्लाइडिंग बैरियर और सीसीटीवी लगाने, वाहनों की सघन जांच करने तथा ब्लैक फिल्म लगे वाहनों पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई करने को कहा।संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी और पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित करने पर भी बल दिया।

जेपीएससी की परीक्षा को लेकर अधिकारियो की टीम ने किया परीक्षा केंद्र का निरीक्षण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

लातेहार : झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा (सीधी भर्ती) प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा 2025 के सफल एवं शांतिपूर्ण संचालन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।उक्त परीक्षा दिनांक 19 अप्रैल को दो पालियों में आयोजित की जाएगी। प्रथम पाली पूर्वाह्न 10 बजे से मध्याह्न 12 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपराह्न 3 बजे से 5 बजे तक निर्धारित है। जिले में परीक्षा के सफल एवं शांतिपूर्ण संचालन हेतु कुल 13 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।मंगलवार को उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता द्वारा जिला मुख्यालय के कई परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया गया। सरसव्ती शिशु विद्या मंदिर एवं गांधी इंटर कॉलेज परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्रों पर उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था,

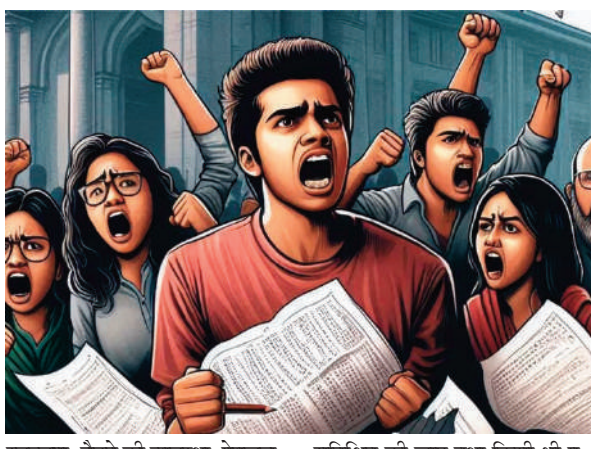

स्वच्छता, बैठने की व्यवस्था, पेयजल, शौचालय सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों के लिए समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी प्रकार की असुविधा न होने दी जाए।उन्होंने कहा कि परीक्षा को कदाचारमुक्त एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है।साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ताकि परीक्षा के दौरान विधि-व्यवस्था बनी रहे। उन्होंने सभी केंद्राधीक्षकों एवं संबंधित कर्मियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने एवं समयबद्ध तैयारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।जिला प्रशासन द्वारा परीक्षार्थियों से अपील की गई है कि वे निर्धारित समय से पूर्व अपने-अपने परीक्षा केंद्र पर पहुंचें तथा परीक्षा संबंधी दिशा-निदेर्शों का अनुपालन करें।मौके पर डीआरडीए निदेशक प्रभात रंजन चौधरी, अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार अजय कुमार रजक, जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रिंस कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक गौतम साहू, डीटीओ उमेश मंडल, बीडीओ मनोज कुमार तिवारी व श्रेयांश समेत कई अधिकारी उपस्थित थे।

एक्सल इंडिया में हंगामा: कर्मचारी को बैठाने पर भड़के मजदूर, बाघराय मार्डी का प्रबंधन पर तीखा प्रहार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम : राखा कॉपर अंतर्गत जियाडा स्थित एक्सल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में एक कर्मचारी को अचानक बैठाए जाने के विरोध में मंगलवार को मजदूरों का गुस्सा फूट पड़ा।सैकड़ों की संख्या में कर्मचारियों ने एकजुट होकर काम बंद कर दिया और कंपनी परिसर में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। हड़ताल के कारण उत्पादन कार्य पूरी तरह ठप हो गया और स्थिति तनावपूर्ण बन गई।मजदूरों ने अपनी समस्या को लेकर पूर्व जिला परिषद सदस्य बाघराय मार्डी को मौके पर बुलाया।सूचना मिलते ही बाघराय मार्डी घटनास्थल पहुंचे और कर्मचारियों से विस्तार से बातचीत की।इसके बाद उन्होंने कंपनी प्रबंधन के साथ सीधी वार्ता की।वार्ता के दौरान बाघराय मार्डी ने प्रबंधन के रवैये पर कड़ी नाराजगी जताई।

उन्होंने तीखे शब्दों में कहा कि मजदूर कोई मशीन नहीं हैं, जिन्हें जब चाहें बैठा दिया जाए।अगर कंपनी इसी तरह मनमानी करती रही तो आगे और बड़ा आंदोलन होगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रबंधन की होगी।उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मजदूरों के सम्मान और अधिकारों से किसी भी तरह का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।श्री मार्डी ने प्रबंधन को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि एक पारदर्शी और व्यवस्थित प्रणाली बनाई जाए, जिसमें मजदूर अपनी समस्याएं, जैसे वेतन, अवकाश, ड्रेस और अन्य सुविधाओं को खुलकर रख सकें और उनका समयबद्ध समाधान हो। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मजदूरों की समस्याओं को नजरअंदाज किया गया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।करीब घंटेभर चली वार्ता के बाद प्रबंधन ने सकारात्मक रुख अपनाया और मजदूरों की मांगों पर विचार करने का आश्वासन दिया।इसके बाद कर्मचारियों ने हड़ताल समाप्त कर पुनः काम शुरू कर दिया।वहीं, स्थानीय प्रतिनिधियों ने कंपनी पर बाहरी मजदूरों को प्राथमिकता देने और स्थानीय युवाओं की अनदेखी करने का गंभीर आरोप लगाया है। इस मुद्दे को लेकर क्षेत्र में असंतोष बढ़ता जा रहा है।लोगों ने प्रशासन से हस्तक्षेप कर स्थानीय लोगों को रोजगार में प्राथमिकता सुनिश्चित करने की मांग की है।

नहाने के क्रम में कोयल नदी में डूबा बच्चा,गोताखोरों द्वारा तीन घन्टा बाद बच्चे का शव निकाला गया

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

लोहरदगा : सेन्हा थाना क्षेत्र बेड़ाटोली से उगरा जाने के रास्ते मे स्नान करने के दौरान कोयल नदी में डूबने से एक बालक की मृत्यु हो गई।सूत्रों के हवाले से बताया जाता है की बच्चा गांव के ही अन्य बच्चों के साथ कोयल नदी नहाने गया हुआ था।जिसे नदी में सभी बच्चे स्नान कर रहे थे.वही मृतक बच्चा अच्चानक गहरा पानी में चला गया।जिसे बच्चे को डूबते देख कर बाकी बच्चे गांव की ओर दौड़ते जा कर गांव में हल्ला कत बच्चे का नदी में डूबने के बारे बताया गया जिसे सुन कर गांव के लोग नदी तट पर पंहुच डूबा हुआ।बच्चा को नदी में घुस कर ढूंढने लगे जिसे काफी प्रयास से करीब तीन घंटा बाद स्थानीय गोताखोरों द्वारा बच्चे को निकाला गया।नदी से निकाल कर परिजन स्थानीय लोगों के सहयोग से बच्चे को सदर अस्पताल लोहरदगा ले गये जहां चिकित्सकों द्वारा जांचोपरांत बच्चे को मृत घोषित कर दिया गया। वही मृत बच्चे की पहचान कलेहपाट निवासी कांग्रेसी नेता रुस्तम अंसारी के 12 वर्षीय पुत्र जियाउल मुस्तफा के रूप में किया गया है।मामले की खबर सुन कर जिला परिषद सदस्य राधा तिर्की,बीडीओ संग्राम मुर्मू, सीओ पंकज कुमार भगत, स्थानीय मुखिया जय श्री उरांव भड़गांव मुखिया अनिल उरांव द्वारा घटना स्थल कोयल नदी पहुंच कर सहयोग किया गया।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन.

संक्षिप्त खबरें

आरएसएस ने सामाजिक समरसता दिवस के रूप में मनाई अंबेडकर जयंती

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। जिले के कोरंगा बस्ती,धैया में बाबा साहब डा0 भीम राव अंबेडकर की 135 वीं जयंती मनाई गई । कार्यक्रम की शुरूआत बच्चों के बीच बाबा साहब की जीवन पर क्विज प्रतियोगिता से हुई। इसके बाद बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। कोरंगा बस्ती की सियुती कोरंगा, फुलकुमारी देवी और नगर संघचालक अजय तिवारी और मुख्य वक्ता ने सभी को सम्मान किया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र संपर्क प्रमुख अनिल ठाकुर ने अंबेडकर की जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा हमारे यहाँ कोई छुआ-छूत नहीं थी। हमारा सनातन धर्म अनादि था मुगल आकर जात-पात को बढ़ाया ! हमारे यहाँ जाति नहीं वर्ण व्यवस्था थी परन्तु कालान्तर हमें बांटा गया ! डा. साहब बहुत बड़े विद्वान थे उन्होंने अपने धर्म को बचाया, संघर्ष किया। संघ 100 वर्षों से समाज को एक करने के सतत प्रयास में लगा हुआ है । जब समाज संगठित होगा, एक होगा तो स्वाभाविक रूप से भारत परम वैभव पर पहुंचेगा।कार्यक्रम का संचालन सामाजिक समरसता संयोजक विवेकानन्द और धन्यवाद ज्ञापन सिम्फर के वैज्ञानिक डॉक्टर आदित्य राणा ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कोरंगा समाज के युवक श्याम कोरंगा,बप्पी.अभिषेक संजय कोरंगा आदि का योगदान रहा। कार्यक्रम में अजय सिंह,सह विभाग कार्यवाह पंकज सिंह, हरिनन्दन गुप्ता,सुबोध गिरि,राकेश सुमन,पप्पु सिन्हा,अरुण कुमार,के कोरंगा बस्ती के दर्जनों लोग मौजूद थे।

धोकरा हॉल्ट में पूर्वा एक्सप्रेस से पति-पत्नी गिरे हालत गंभीर , सदर अस्पताल में भर्ती

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। मंगलवार को दिल्ली से हावड़ा जा रही पूर्वा एक्सप्रेस से गिरकर दंपती गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना धोकरा हॉल्ट से कुछ दूरी पर पोल संख्या 226/18 के पास हुई है। जानकारी के अनुसार पति-पत्नी ट्रेन के जनरल कोच में सफर कर रहे थे। यात्रा के दौरान दोनों वॉशरूम की ओर जा रहे थे कि तभी अचानक पति का संतुलन बिगड़ गया और वे गिरने लगे। पति को गिरता देख पत्नी ने बचाने की कोशिश की, लेकिन इस क्रम में वह भी संतुलन खो बैठी और दोनों चलती ट्रेन से नीचे जा गिरे। दोनों के शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आयीं और वे घटनास्थल पर ही तड़पते रहे। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे कंट्रोल रूम सक्रिय हुआ और इसके बाद आरपीएफ और जीआरपी की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और दोनों को सदर अस्पताल पहुंचाया गया, दोनों की स्थिति गंभीर बनीं हुई है

राजगंज में ट्रैक्टर पलटने से चालक सह मालिक संतोष केवट की दबकर मौत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद।मंगलवार की सुबह राजगंज थाना क्षेत्र के दलूडीह पंचायत के सरायदाहा के समीप ट्रैक्टर पलटने से ट्रैक्टर के चालक संतोष केवट की मौके पर ही मौत हो गई।मृत चालक 31 वर्षीय संतोष केवट बिशुनपुर पंचायत के बोनासिंघा का रहने वाला था। वह रात करीब दो बजे बालू खाली कर वापस अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान अचानक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में पलट गया, जिससे चालक उसके नीचे दब गया और उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के बाद भी ट्रैक्टर का इंजन चालू रही। इंजन की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और तुरंत पुलिस को घटना की सूचना दी।मृतक के दो छोटे बच्चे हैं और उसने करीब तीन महीने पहले ही नया ट्रैक्टर फाइनेंस करवाया था। मृतक के भाई चंदन केवट ने आशंका जताई है कि रात में झपकी आने के कारण यह हादसा हुआ होगा।सूचना मिलते ही राजगंज पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकालकर थाना ले आई। परिजनों को सूचना देने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया गया।

झरिया आसपास क्षेत्र में बाबा भीमराव अंबेडकर की जयंती पर माल्यार्पण कर दी गई श्रद्धांजलि

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद।: सुदामडीह थाना क्षेत्र के गौरखुंटी अंबेडकर नगर में संविधान निमार्ता भीमराव अम्बेडकर कि 135 वी जंयती मनाई गई।बहुजन एकता मंच के सचिव जंग बहादुर जैसवारा के अध्यक्षता में श्रद्धांजलि सभा की गई।सर्वप्रथम बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया।वक्ताओं ने कहा कि अम्बेडकर जी देश के लिए संविधान दिया बाबा साहेब ने तीन नारा दिए शिक्षित बनों, संगठित रहो, संघर्ष करो। मौके पर मंच के अध्यक्ष रंजीत यादव,बासुदेव श्रषि, शिव बाली राविदास, अनिल बाउरी, रामलाल महतो, कामेश्वर साव,प्रदीप रवानी, राजेश पासवान, बाबलू बाउरी, विजय वर्मा, उमेश यादव, संजय रवानी, राजेश दास थे। वहीं भौंरा के जहाजटांड में अंबेडकर क्लब के तुलसी तुरी,सुरेश महतो के नेतृत्व में बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर की जयंती मनाई गई। भौंरा ऊपर बाजार हाड़ी पट्टी में अम्बेडकर मिशन के तहत बच्चन हरी के नेतृत्व में जंयती मनाई एवं बच्चों के बीच कॉपी, कलम, केक, खीर, मिठाई बांटी गई।झरिया जनता मजदूर संघ के शाखा सचिव प्रीतम रवानी के नेतृत्व में मंगलवार को घनुडीह कार्यालय में संविधान निमार्ता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के जयंती पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। केक काटकर बच्चों के बीच मिठाइयां बांटी गई। श्री रवानी ने कहा कि हम भारतवासी डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के बनाए हुए संविधान को मानने वाले लोग हैं। और उन्हीं के संविधान पर देश चलता है।मौके पर अमर प्रसाद, रत्नेश यादव, रविंदर प्रसाद, अशोक रवानी, राजू महतो, मंतोष रवानी, पवन पाण्डे,बिहारी यादव, दीपक यादव, मोहन भुइयां, महेश यादव,अमरजीत यादव आदि मौजूद थे।झरिया नगर में संविधान निमार्ता भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर कि 135 वीं जयंती मनाई गयी। मौके पर फरीद मलिक,सुमन देवी, कृष्ण चौहान, लक्ष्मण चौहान, सफीक खान, शाहिद अंसारी, प्रियांशु प्रतीक, राहुल रवि, लकी, हार्दिक चौहान, कालीन सिद्दीकी, शकील अंसारी मौजूद थे।

कोयलांचल में जयंती पर याद किए गए बाबा साहेब

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। संविधान के निमार्ता डॉ.भीमराव अंबेडकर की 135वीं धनबाद कोयलांचल में धूमधाम से मनाई है। जगह जगह कार्यक्रम आयोजित किए गए। रैली, पदयात्रा, बाइक रैली तथा अन्य कई आयोजन किए गए। उनकी प्रतिमा तथा तस्वीर पर माल्यार्पण किया गया और उनके आदर्शो तथा पदचिह्नों पर चलने का संकल्प लिया गया। मुख्य कार्यक्रम डीआरएम चौक पर स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा स्थल पर हुआ। यहां भव्य और श्रद्धापूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नेशनल फेडरेशन ऑफ अंबेडकर मिशन धनबाद इकाई, भीम सेना, बहुजन समाज पार्टी सहित विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों द्वारा बाइक रैली और पदयात्रा निकाली गई। रैली शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए अंबेडकर चौक पहुंची, जहां सभी ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान पूरे मार्ग में ह्रजय भीमह्र के नारों से माहौल गूंजता रहा और लोगों का उत्साह देखने लायक था। इसके बाद आयोजित जयंती समारोह में वक्ताओं ने बाबा साहेब के जीवन, उनके संघर्षों और समाज सुधार में उनके अमूल्य योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने सामाजिक न्याय, समानता और शिक्षा के माध्यम से देश को नई दिशा दी, जो आज भी पूरी तरह प्रासंगिक हैं।

कार्यक्रम में युवाओं से विशेष आह्वान किया गया कि वे बाबा साहेब के बताए मार्ग पर चलें, शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाएं और समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में सक्रिय भूमिका निभाई। बाबा साहेब की जयंती पर डीआरएम चौक पर धनबाद जिला कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग के तत्वाधान में जिला अध्यक्ष राजू दास के अध्यक्षता में कार्यक्रम हुआ । राजू दास ने कहा कि बाबा साहब ने देश के गरीबों पिछड़ों दलित वंचित को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दी और सर्वजन के हित में संविधान की रचना की। राजू दास ने कहा कि आज जो भी हमें अधिकार मिला हुआ है यह सब उन्हीं की देन है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष संतोष सिंह अभिजीत राज ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह, राजेश्वर सिंह यादव, मदन महतो, रविंद्र वर्मा, नवनीत नीरज, शमशेर आलम, मंटू दास, बबलू दास, पिंटू तुरी, कांटा पासवान, मनोज यादव, सतीश रजक, संजय जयसवाल गंगा वाल्मीकि, अमित चौधरी, ओमप्रकाश दास, अजय चौधरी, नवीन पासवान, अनु पासवान, संतोष दास, सुरेश दास, मुख्तार खान, तबरेज आलम, अवध नारायण, अरुण दास, प्रकाश दास, निरंजन तुरी, गुड्डू खान, अक्षय कुमार, हरेंद्र शाही, मृत्युंजय सिंह, बीएन प्रसाद उपस्थित थे।

भारतीय संविधान के निर्माण में बाबा साहेब का अहम योगदान : डीडीसी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। संविधान निमार्ता, भारत रत्न, बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर आईआईटी आईएसएम के जीजेएलटी सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सह उप विकास आयुक्त (डीडीसी) सन्नी राज सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में उप विकास आयुक्त ने बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को एक वैश्विक प्रेरणा बताया। उन्होंने बाबासाहेब के एजुकेट, ऑर्गनाइज, ट्रांसफॉर्म के संदेश को दोहराते हुए छात्रों से अपील की कि वे शिक्षा और शोध के माध्यम से खुद को सशक्त बनाएं और आगे चलकर समाज की सेवा करें। उप

विकास आयुक्त ने कहा कि बाबासाहेब का योगदान केवल सामाजिक न्याय तक सीमित नहीं था, बल्कि अर्थव्यवस्था, नीतिनिर्माण और भारतीय संविधान के निर्माण में भी उनका अहम योगदान रहा है। कार्यक्रम की शुरूआत आईआईटी आईएसएम के प्रो. ए.सी.एस. राव के स्वागत भाषण से हुई। जिसमें उन्होंने संस्थान के एससी/एसटी सेल के प्रयासों की सराहना की। इस मौके पर सुखनिंदर कौर ने डॉ. अंबेडकर पर साइटेशन प्रस्तुत किया। वहीं, रजिस्ट्रार प्रबोध पांडेय ने डॉ. अंबेडकर के जीवन और उनके कार्यों के महत्व पर प्रकाश डाला। कहा कि बाबा साहेब की मेहनत और शिक्षा के प्रति समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने छात्रों को किताबों के महत्व को समझने और उनके विचारों को अपनाने की सलाह दी। डीन (स्टूडेंट्स वेलफेयर) प्रो. एस.के. गुप्ता ने अपने संबोधन में लिंग, जाति और धर्म के आधार पर समानता की बात कही। उन्होंने कहा कि यदि हम अपने सोच में समानता को शामिल करें, तो समाज में वास्तविक बदलाव संभव है और हमें अपने दैनिक जीवन में न्याय और समानता का पालन करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आयोजित की गईं। इससे पूरा आयोजन और भी जीवंत बना गया।

एटक व भाजपा के कार्यकर्ताओं पर हुई गोलीबारी को लेकर धनबाद सांसद भौंरा पहुंचे

जिला प्रशासन इस घटना में शामिल सभी लोगों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करके जेल भेजें: ढुल्लू महतो

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद।बीते सोमवार को ईजे क्षेत्रीय कार्यालय पर पानी, बिजली और प्रदूषण की समस्या को लेकर एटक एवं भाजपा के जिला अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के नेता गफ्फार अंसारी व उनके लोगों पर अज्ञात नकाबपोश के द्वारा फायरिंग और हमला करने के मामले में धनबाद के सांसद ढुल्लू महतो मंगलवार को भौंरा 7 नंबर पहुंचे और घायलों से मिलकर उन लोगों का हाल-चाल जाना। सांसद ने कहा कि यह घटना काफी दुखद है, पर नई-नहीं है।झरिया विधानसभा क्षेत्र में शुरू से ही जब भी कोई गरीब का बच्चा आगे बढ़ने का प्रयास करता है, तो कुछ लोगों के द्वारा उसे दबाने के लिए इस तरह का हथकंडा तैयार किया जाता हैं। कई वर्षों से झरिया में राज करने वाले और झरिया को लूटने वालों को डर सताने लगा है, और उनकी जमीन हिलने लगी है। क्योंकि गरीब लोग जाग रहे हैं, और अपने हक की लड़ाई लड़ने को तैयार हैं।ऐसा देखकर उन्हें बर्दाश्त नहीं हो रहा है। जिला प्रशासन इस घटना में शामिल सभी लोगों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करके जेल भेजें और यह घटना क्यों हुई इसकी भी जानकारी सभी को दें। किसके इशारे पर इस तरह से कांड किया गया है,उस पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। पूर्वी झरिया क्षेत्र में इस तरह कि यह पहली घटना है सभी को अपना हक मांगने का अधिकार है। यदि जिला प्रशासन कार्रवाई नहीं करता है तो हमलोग जोरदार आंदोलन करेंगे, जितने भी गरीब पिछड़े वर्ग के लोग हैं हमारे साथी हैं हम उनके साथ हैं, साथ रहेंगे। मुझे इन्होंने ही सांसद बनाया है। इन पर होने वाले अत्याचार का हम मुंह तोड़ जवाब देंगे। समर्थकों ने सांसद को भौरा चेकंपोस्ट पर जोरदार तरीके से स्वागत कीया।मौके पर आरिफ अंसारी,अरुण पास-ावान,बृज रजक,बीरेंद्र भुइया,राज अंसारी,रोहित यादव,अजय बाउरी,सूरज हाड़ी आदि मौजूद थे।

अंबेडकर जयंती पर झरिया में योग शिविर आयोजित, सुबह की पदयात्रा में सैकड़ों लोग रहें मौजूद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। अंबेडकर जयंती के अवसर पर मंगलवार को योग शिविर का आयोजन किया गया।सुबह पदयात्रा का शुभारंभ महेश शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया किया।पदयात्रा लक्ष्मणीया मोड़, बाटा मोड होते हुए वापस चिल्ड्रेन पार्क झरिया वापस लौटी।पदयात्रा मे गगनभेदी नारों की गूंज सुनाई दी।आवाज दो हम एक हैं, एक हैं, एक है।मेरी सांसे मेरा हक।

मेरा अधिकार, पानी बिजली स्वच्छता का अधिकार।झरिया को समाप्त करने की राजनीति बंद करो- बंद करो आदि नारे लगाए गए।कार्यक्रम को सफल बनाने में मॉडल स्कूल राजवाड़ी रोड के शिक्षक और बच्चों ने उल्लेखनिक योगदान दिया।मौके पर वार्ड 45 के पार्षद पिंकू चंद्रवंशी, अनिल कुमार जैन,शिव बालक पासवान, अनुप साव, अकलाख अहमद, महेश शर्मा, कुंदन मोदक, भीम निशाद, रवि केशरी, मनीष यादव, मोनू केशरी, राजेश गोस्वामी, अशोक वर्णवाल, बिरजू शर्मा, सूरज साव, ओम जी, मनोज सिंह,गौतम सेन, झुन्नू गुप्ता, सुरेंद्र साव, सतनारायण भोजगढ़िया, डॉक्टर दिलीप आदि मौजूद थे।

बाबा साहब की दूरदर्शी सोच आज भी हमारे लिए मार्गदर्शक : सीएमडी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 136वीं जयंती पर मंगलवार को बीसीसीएल द्वारा अंबेडकर चौक तथा सामुदायिक भवन कोयला नगर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य कार्यक्रम कोयला नगर स्थित अंबेडकर चौक पर हुआ। सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया, निदेशक (तकनीकी /संचालन) संजय कुमार सिंह, निदेशक (वित्त) राजेश कुमार, मुख्य सतर्कता पदाधिकारी, अमन राज सहित विभिन्न श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधि/ सीसीसी, वेलफेयर एवं सेμटी बोर्ड सदस्य संजीत सिंह, आरके. तिवारी, कुश कुमार सिंह, उमेश सिंह, मुरारी तांती, अर्जुन सिंह, केके सिंह, सिस्टा के संस्थापक आरएस राम, संस्थापक सदस्य, एसडी दास ललन, राजकुमार कनौजिया (राष्ट्रीय

महासचिव), कृष्ण बल्लभ पास-ावान (महासचिव), भोला कुमार भुइयां (अध्यक्ष, सिस्टा बीसीसीएल),संजय कुमार मरांडी (कोषाध्यक्ष), प्रमोद कुमार (कार्यकारी अध्यक्ष), सिस्टा के अन्य सदस्य, कोयला भवन मुख्यालय के सभी महाप्रबंधक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, अधिकारी-कर्मी, गणमान्य अतिथि तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। उपस्थित सभी अतिथियों ने डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान संविधान झांकी को भी रवाना किया गया, जो डीआरएम चौक, कार्मिक नगर तथा शहर के अन्य मुख्य मार्गों से होते हुए कोयला नगर स्थित सामुदायिक भवन पहुंचा। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में विचार संगोष्ठीसह-सांस्कृतिक सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण और सामूहिक दीप प्रज्वलन के साथ की गई। इसके उपरांत सभी मंचासीन अतिथियों का सिस्टा पदाधिकारियों ने अंगवस्त्र, मोमेंटो एवं पुष्प-गुच्छ देकर स्वागत अभिनन्दन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में सर्वप्रथम गीतकार संजय पासवान एवं उनकी टीम द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। बिरसा मुंडा विद्यालय जगजीवन नगर की छात्राओं द्वारा नृत्य प्रस्तुति तथा पूर्वी टुंडी क्षेत्र के अंबेडकर क्लब लटानी के बच्चों द्वारा बहुजन झांकी प्रस्तुत की गई। जिसमें क्लब के बच्चों ने माता रमाबाई, संत कबीर, भगवान बिरसा मुंडा, छत्रपति साहूजी महा-राज, ज्योतिबा फूले, संत रविदास, तथागत बुद्ध एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर की वेशभूषा धारण कर मंच पर अपनी प्रस्तुति दी।सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने सदैव एक न्यायपूर्ण और समावेशी समाज की स्थापना के लिए संघर्ष किया। उन्होंने वंचित और उपेक्षित वर्गों के अधिकारों हेतु अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। उनका दृष्टिकोण केवल सामाजिक समानता तक सीमित नहीं था, बल्कि शिक्षा, संवैधानिक अधिकारों और लोकतांत्रिक मूल्यों को आधुनिक भारत की आधा-रशिला बनाने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। बाबा साहब की दूरदर्शी सोच आज भी हमारे लिए मार्गदर्शक है और हमें प्रेरित करती है कि हम एक ऐसे राष्ट्र का निर्माण करें जहाँ सभी नागरिकों को समान अवसर और सम्मान प्राप्त हो।

15-04-2026 T.P. Page 4_Layout 1 15-04-2026 06:34 Page 1

संक्षिप्त खबरें

1 करोड़ की अफीम-डोडा जब्त

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

चतरा : चतरा पुलिस ने लावालौंग क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 1 करोड़ रुपये की अफीम और डोडा जब्त किया है। यह कार्रवाई एसपी सुमित अग्रवाल के नेतृत्व में की गई, जिसमें छह तस्करों के घरों से नशे का जखीरा बरामद हुआ। हालांकि तस्कर भागने में कामयाब रहे। पिछले तीन दिनों के भीतर लावालौंग क्षेत्र में यह दूसरी बड़ी कार्रवाई है, जिसमें अफीम माफियाओं के नेटवर्क को ध्वस्त किया गया है। पुलिस ने तस्करों के घरों से उनके आधार कार्ड भी बरामद किए हैं। चतरा एसपी सुमित अग्रवाल को मिली एक गोपनीय सूचना के आधार पर यह अभियान चलाया गया। सूचना थी कि रिमी पंचायत के खाखर गांव में आधा दर्जन तस्कर अपने घरों में भारी मात्रा में अफीम और डोडा जमा कर रहे हैं। तस्कर इस नशे को बाहरी व्यापारियों को बेचने की योजना बना रहे थे। इससे पहले कि वे अपने मंसूबों में कामयाब होते, सिमरिया एसडीपीओ के नेतृत्व में पुलिस टीम ने खाखर गांव को चारों तरफ से घेर लिया।

सीयूजे को शोधकताओं को मिला सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र का पुरस्कार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : केंद्रीय विवि, झारखंड (सीयूजे) के शोधकताओं ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अकादमिक उत्कृष्टता का परिचय देते हुए प्रतिष्ठित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एडवांस्ड रिसर्च इन मैनेजमेंट, बिजनेस एंड टेक्नोलॉजी में दो सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार हासिल किये. इन उत्कृष्ट शोध कार्यों के लेखक प्रो बटेश्वर सिंह, डॉ रचना जायसवाल, शशांक गुप्ता, मेघा रानी पटेल और नेहा कुमारी हैं।ये सभी शोधकर्ता सीयूजे के वाणिज्य एवं वित्तीय अध्ययन विभाग तथा व्यवसाय प्रशासन विभाग से जुड़े हुए हैं। यह सम्मेलन राम लाल आनंद कॉलेज, दिल्ली विवि में आयोजित किया गया था।पुरस्कार प्राप्त शोध पत्र सतत वित्त और पर्यटन विश्लेषण जैसे समकालीन और महत्वपूर्ण विषयों पर आधारित हैं जो वैश्विक चुनौतियों के समाधान की दिशा में दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं।

कॉल गर्ल्स स्कॉट सर्विस के नाम पर करते थे ठगी, दो गिरफ्तार,छह मोबाइल व एटीएम कार्ड बरामद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

कोडरमा : पुलिस ने कॉल गर्ल्स स्कॉट सर्विस के नामा पर झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अनिल पंडित पिता स्व. गेंदो पंडित निवासी बेकोबार व मंटु कुमार पंडित पिता कार्तिक पंडित निवासी कांको थाना जयनगर शामिल हैं।इनके पास से छह मोबाइल, तीन एटीएम कार्ड बरामद किया गया है।पूरे मामले की जानकारी देते हुए एसपी अनुदीप सिंह ने बताया कि सूचना मिली थी कि एक मोबाइल नंबर धारक अनिल पंडित के द्वारा कई लोगों से कॉल गर्ल्स स्कॉट सर्विस के नामा पर ठगी की जा रही है।सूचना पर थाना प्रभारी विकास पासवान के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया।टीम में तकनीकी शाखा के पुलिसकर्मियों को भी शामिल किया गया।टीम ने उक्त मोबाइल धारक अनिल पंडित के बेकोबार स्थित घर पर छापामारी की। इस दौरान दो लोग भागने लगे, जिन्हें पकड़ा गया। पकड़े गए अनिल पंडित व मंटू कुमार ने पूछताछ में बताया कि वे फेक वेबसाइट पर फेक कॉल गर्ल्स स्कॉर्ट सर्विस का आईडी बनाकर उसमें मोबाइल नंबर डाल देते हैं।उसके बाद जो व्यक्ति कॉल गर्ल्स स्कॉर्ट सर्विस के लिए फोन करता है उसे लडकी का फोटो दिखाकर पैसों की मांग कर फेक बुकिंग कर क्यूआर कोड पर पैसा मंगवाते हैं तथा पैसे को एटीएम से निकालकर आपस में बांट लेते हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी कई शहरों में कॉल गर्ल्स स्कॉर्ट सर्विस का काम करते हैं।इनके साथ इस अवैध धंधे में बेकोबार के और सात लोग शामिल हैं। आरोपियों के पास जब्त मोबाइल की जांच में कॉल गर्ल्स स्कॉर्ट सर्विस से संबंधित बातचीत का चैट, लडकी का फोटो, क्यूआर कोड पाया गया. पुलिस के अनुसार आरोपी सोशल मीडिया व अन्य ऑनलाइन प्लेटफार्म के माध्यम से लोगों से संपर्क स्थापित कर उन्हें स्कॉट सर्विस उपलब्ध कराने का लालच देते थे तथा विभिन्न माध्यमों से पैसे की मांग करते थे। पैसे मिलने पर मोबाइल फोन बंद कर दिया जाता था।इस संबंध में कोडरमा थाना कांड संख्या 68/26 दर्ज कर अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी की जा रही है।

मधुमक्खियों के हमले से दहशत, सेवानिवृत्त कर्मी की मौत; कई राहगीर व शिक्षक घायल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : पीटीपीएस हेसला पंचायत में शिशु विद्या मंदिर विद्यालय जाने वाले मार्ग पर पिछले कुछ दिनों से मधुमक्खियों के हमले की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।इन हमलों से क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है।जानकारी के अनुसार, इस रास्ते से गुजरने वाले कई राहगीरों के साथ-साथ शिशु विद्या मंदिर के शिक्षक भी मधुमक्खियों के हमले का शिकार होकर घायल हो चुके हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क किनारे लगे पेड़ों या आसपास के क्षेत्र में मधुमक्खियों का छत्ता होने के कारण यह समस्या उत्पन्न हो रही है।इसी बीच एक दुखद घटना में हेसला पंचायत निवासी एवं पीटीपीएस से सेवानिवृत्त भिखारी राम की मधुमक्खियों के हमले से मौत हो गई, जिससे लोगों में भय और आक्रोश दोनों बढ़ गया है।ग्रामीणों और अभिभावकों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर मधुमक्खियों के छत्तों को सुरक्षित तरीके से हटाने तथा इस समस्या से स्थायी निजात दिलाने की मांग की है, ताकि बच्चों, शिक्षकों और आम राहगीरों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

महिलाओं के सशक्तिकरण की नई क्रांति है नारी शक्ति वंदन अधिनियम : अन्नपूर्णा देव

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

कोडरमा : नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल एक कानून नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान, अधिकार और सशक्तिकरण की नई क्रांति है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को 33% आ-रक्षण देकर उन्हें देश की नीति और निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी सुनिश्चित की गई है।आज की नारी सशक्त, आत्मनिर्भर और नेतृत्व करने में पूरी तरह सक्षम है उक्त बातें केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री सह कोडरमा की सांसद अन्नपूर्णा देवी ने मंगलवार को कहीं। झुमरीतिलैया के बाईपास रोड स्थित शिव वाटिका में विभिन्न सामाजिक व धार्मिक संगठनों के सहयोग से आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में हजारों की संख्या में पहुंची महिलाओं को संबोधित करते हुए अन्नपूर्णा ने कहा कि महिलाओं की सशक्त भागीदारी, उनका आत्मविश्वास और राष्ट्र निर्माण में उनकी बढ़ती भूमिका नए भारत की पहचान बन चुकी है.पीएम के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण के

लिए किए गए ऐतिहासिक प्रयास, विशेषकर नारी शक्ति वंदन अधिनियम, देश को नई दिशा प्रदान कर रहे हैं।यह अधिनियम महिला सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर है.वहीं विधायक डॉक्टर नीरा यादव ने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। सरकार की योजनाओं ने महिलाओं को नई पहचान और आत्मविश्वास दिया है। अब समय आ गया है कि महिलाएं आगे बढ़कर समाज और राष्ट्र निर्माण में अपनी निर्णायक भूमिका निभाएं, इससे पहले कार्यक्रम की शुरूआत मंत्री के साथ ही मौजूद विधायक डॉ.नीरा यादव व अन्य ने भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर तथा दीप प्रज्जवलित कर किया कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रेया केडिया संचालन जूही दास गुप्ता एवं रूही संघई ने संयुक्त रूप से किया. धन्यवाद ज्ञापन अधिवक्ता वंशिका जोशी ने किया।नारी शक्ति, राष्ट्र शक्ति के नारों से गूंजा परिसर।सम्मेलन के दौरान पूरा परिसर नारी शक्ति झ राष्ट्र शक्ति के नारों से गूंज उठा वहीं वक्त-ाओं ने समाज, राजनीति और अर्थव्यवस्था में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी, उनके नेतृत्व और भविष्य की संभावनाओं पर विचार साझा किए. महिलाओं ने सामूहिक रूप से संकल्प लिया कि वे इस अभियान का हिस्सा बनेंगी और सशक्त, आत्मनिर्भर एवं समावेशी भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करेंगी. केंद्रीय मंत्री ने महिलाओं से 9667173333 पर मिस्ड कॉल कर इस ऐतिहासिक पहल का समर्थन करने का आह्वान किया मौके पर नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया कार्यक्रम में पंचायत से पार्लियामेंट तक, निर्णय में नारी, नव भारत की तैयारी का संदेश प्रमुख रूप से उभरकर सामने आया।सम्मेलन को जयंती सेठ, पिंकी जैन, दीपा गुप्ता, ज्योति झा, रेणु बड़गवे, आशा वर्णवाल, वंदना अग्रवाल, आकृति चौधरी, अधिवक्ता किरण कुमारी, श्रेया केडिया, कलावती देवी, सोनी जयसवाल, शीला वर्णवाल, नीलम महर्षि आदि ने संबोधित किया. महिलाओं ने केंद्र सरकार के इस ऐतिहासिक निर्णय के प्रति आभार व्यक्त किया और नारी सशक्तिकरण के इस अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने का संकल्प लिया. सम्मेलन में संगीता सिन्हा, सुनीति सेठ, अनीता देवी, सबिता देवी, लीना देवी, सावित्री देवी, नन्दिता कुमारी, शिल्पा कुमारी, कामिनी देवी, प्रमिला सिंह, सुमन पांडेय, रानी कुमारी, प्रियंका कुमारी, आशा देवी, सोनी देवी, शशि सिंह, वर्षा रानी, मीना देवी, बिमला देवी, सरिता सिन्हा, अनूप जोशी, नीतेश चन्द्रवंशी, राजकुमार यादव, नरेंद्र पाल, सूरज प्रताप मेहता, हरि पंडित, कृष्णा ब्रह्मपुरिया, नवीन चौधरी, संजय शर्मा, प्रदीप केडिया, किशन संघई, रामरतन महर्षि, महेश दारुका आदि मौजूद थे।

राहुल दुबे गैंग के दो अपराधी पकडाये, जेल भेजा गया,संगठित अपराधिक गिरोह पर लगातार हो रही है कारवाई : एसपी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : रामगढ पुलिस ने राहुल दुबे गैंग के दो अपराधी को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सोमवार की रात सूचना मिली कि पतरातु थाना क्षेत्र के हेसला गांव में राहुल दुबे गैंग के दोनों सदस्य अवैध हथियार के साथ किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिर-ाक में हैं।अपराधियों की गिरफ्तारी के लिये तत्काल सहायक पुलिस अधीक्षक सह एसडीपीओ पतरातु गौरव गोस्वामी के नेतृत्व में एक एस-ाआईटी का गठन किया गया। टीम ने पतरातु थाना क्षेत्र में एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। संगठित अपराधिक गिरोह पर रामगढ पुलिस लगातार कारवाई कर रही है। उक्त बातें एसपी रामगढ अजय कुमार ने एसपी कार्यालय में मंगलवार को प्रेस-ावार्ता कर दी।एसपी ने बताया कि गठित टीम ने हेसला स्थित टाइप-टू काली मंदिर मैदान के पास एक बाइक संख्या जेएच 02एबी 5319 पर सवार दो युवकों को रोका। पूछताछ में उनकी पहचान करण करमाली,19 वर्ष व शिवम मिश्रा उर्फ शिवम आनंद उर्फ नंदु, 23 वर्ष के रूप में

हुयी।तलाशी के दौरान करण करमाली के पास से 7.65 एमएम का लोडेड देशी पिस्टल व तीन जिंदा गोली व बाइक में टंगे बैग से नाइन एमएम का लोडेड देशी कारबाइन व दो जिंदा गोली बरामद की गयी। पकड़े गये आरोपियों ने बताया कि वे राहुल दुबे गैंग के लिए काम करते हैं।किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। उन्होंने चार अप्रैल को पतरातु स्थित ओसम डेयरी प्लांट में हुई गोलीबारी की घटना में भी संलिप्तता स्वीकार की।पतरातु थाना कांड संख्या 91/26 के तहत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।छापामारी दल में भापुसे सह अनुपुपदा गौरव गोस्वामी, पुनि सत्येन्द्र कुमार सिंह, पुअनि शिवलाल कुमार गुप्ता, पुअनि अख्तर अली, पुअनि उपेन्द्र कुमार, पुअनि अभिषेक कुमार, पुअनि कैलाश कुमार, पुअनि उमाशंकर कुमार वर्मा, पुअनि शिवा कच्छप, पुअनि मंटु कुमार शर्मा, पुअनि अफजल हुसैन, पुअनि रेणुका कुमारी दास, आरक्षी प्रेम कुमार ठ-ाकुर, बंटी कुमार तकनीकी शाखा व पतरातु थाना सशस्त्र बल के जवान शामिल थे. प्रेसवार्ता में एसपी अजय कुमार, एएसपी गौरव गोस्वामी, ड-ाएसपी मुख्यालय चंदन वत्स, डीएसपी फौजान अहमद सहित पुलिस पदाधिकारी शामिल थे।

बर्जर पेंट्स ने गर्मी गॉन, ठंडक ऑन रेंज लॉन्च की, गर्मी से राहत का नया समाधान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांचीः बढ़ती गर्मी को देखते हुए बर्जर पेंट्स इंडया लिमिटेड ने देशभर में ह्यगर्मी गॉन, ठंडक ऑनह्ल कैपेन के साथ अपनी होम कूलिंग रेंज लॉन्च की है। कंपनी के अनुसार इस रेंज में एंटी डस्ट कूल, रूफ कूल एंड सील और टैंक कूल जैसे उत्पाद शामिल हैं, जिन्हें दीवारों, छतों और पानी के टैंकों से आने वाली गर्मी को कम करने के लिए तैयार किया गया है। कंपनी का दावा है कि ये समाधान सतह के तापमान को कम कर घर के अंदर ठंडक बनाए रखने में मदद करते हैं और बिजली की खपत वाले पारंपरिक कूलिंग विकल्पों पर निर्भरता घटा सकते हैं। साथ ही ये उत्पाद घर के अंदर के तापमान को संतुलित रखने में सहायक हैं, जिससे गर्मी के प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है। बर्जर पेंट्स ने स्माइल फाउंडेशन के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश और राजस्थान के 30 सरकारी स्कूलों में हीट-रिफ्लेक्टिव कोटिंग के जरिए तापमान कम करने की पहल भी शुरू की है, जिससे छात्रों के लिए बेहतर और सुरक्षित वातावरण तैयार किया जा सके। यह पहल खासकर उन इलाकों में महत्वपूर्ण है जहां भीषण गर्मी शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों को प्रभावित करती है। कंपनी का मानना है कि इस तरह के समाधान ऊर्जा बचत के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दे सकते हैं। कंपनी के एमडी एवं सीईओ अभिजीत रॉय ने कहा कि यह पहल गर्मी की समस्या को शुरूआत में ही नियंत्रित करने और लोगों को टिकाऊ कूलिंग समाधान अपनाने के लिए प्रेरित करने की दिशा में उठाया गया कदम है। साथ ही उन्होंने कहा कि कंपनी आगे भी ऐसे नवाचारों पर काम करती रहेगी जो उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों को पूरा कर सकें।

डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती मनायी गयी, भारतीय संविधान के प्रमुख शिल्पी थे बाबा साहेबः उपायुक्त

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

खूंटी : भारतीय संविधान के निमार्ता, समाज सुधारक और भारत रत्न से सम्मानित बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की मंगलवार को जयंती मनायी गयी।इस अवसर पर विभिन्न जगहों पर कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें याद किया गया। समाहरणालय परिसर में मंगलवार को एक कार्यक्रम आयोजित कर जिला प्रशासन ने उन्हें नमन किया।उपायुक्त आर रॉनिटा के अगुवाई में अधिकारियों ने उनके चित्र में माल्यार्पण किया और पुष्प अर्पित किया। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर न केवल भारतीय संविधान के प्रमुख शिल्पी थे, बल्कि वे एक प्रखर अर्थशास्त्री, विधिवेता और समाज सुधारक भी थे।उन्होंने जीवन भर सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध संघर्ष किया और समता, स्वतंत्रता तथा बंधुत्व पर आधारित समाज की स्थापना के लिए कार्य किया।उनका सम्पूर्ण जीवन वंचित वर्गों को अधिकार दिलाने और समाज में न्यायसंगत व्यवस्था स्थापित करने के लिए समर्पित रहा। उपायुक्त ने बाबा साहेब के योगदानों को याद किया।वहीं सभी को उनके आदर्शों और विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कहा. कहा कि डॉ. अम्बेडकर का जीवन सामाजिक न्याय, समानता और लोकतंत्र के मूल्यों के प्रतीक है।वे आज भी सभी के प्रेरणा स्त्रोत हैं।इस अवसर पर उप विकास आयुक्त आलोक कुमार, परियोजना निदेशक आईटीडीए अलोक शिकारी कच्छप, अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी, जिला कल्याण पदाधिकारी प्रमोद राम, ड-ीसीएलआर अरविंद ओझा, नजारत उप समाहर्ता कोमल कुमारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी आपरूपा चौधरी, जिला शिक्षा अधीक्षक अभय कुमार शील, कार्यपालक दंडाधिकारी बिपिन कुमार विश्वास सहित अन्य उपस्थित थे।

18 अप्रैल से मुख्यमंत्री आवास के सामने आमरण अनशन करेंगे सहायक अध्यापक

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : सरायकेला के सिद्धू कान्हु पार्क में मंगलवार को सहायक अध्यापक जिला कमिटी की बैठक की गई।बैठक की अध्यक्षता संघ के जिलाध्यक्ष विजय लेंका ने किया।बैठक में प्रदेश कमिटी के आवाहन पर आकलन को टेट के समतुल्य मान्यता देने की मांग को लेकर 18 अप्रैल से आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री आवास के समक्ष आमरण अनशन कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर चर्चा किया गया। जिलाध्यक्ष ने जिले के सभी सहायक अध्यापकों को 18 अप्रैल के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अधिक से अधिक संख्या में रांची चलने का आवाहन किया।उन्होंने कहा कि राज्य के सहायक अध्यापक सरकार के सभी नॉर्म्स को पूरा करते हुए आकलन परीक्षा में सफलता हासिल किया है। आकलन परीक्षा का पैटर्न टेट परीक्षा से कहीं अधिक कठिन था। बावजूद इसके सहायक अध्यापकों ने परीक्षा में सफलता हासिल की.उन्होंने कहा कि आज के समय में बिना मांगे अपना हक नहीं

मिलता।आकलन को टेट के समतुल्य दर्जा दिलाने के लिए सहायक अध्यापकों को आगे आना होगा और सरकार से अपना अधिकार लेना होगा।संघ के महासचिव साकेत शेखर ने कहा कि झारखंड राज्य में सरकार द्वारा एक ही विद्यालय के दो शिक्षकों के लिए दोहरी नीति का पालन किया जा रहा है।एक समान काम करने तथा सरकार द्वारा आयोजित उच्चस्तरीय परीक्षा में सफलता हासिल करने के बावजूद भी सहायक अध्यापकों को गुजर बसर के लायक भी पैसा नहीं दिया जा रहा वहीं सहायक शिक्षकों को हजारों लाखों वेतन दिया जाता है।उन्होंने सहायक अध्यापकों से अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए 18 के कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की बात कही।

जिला सचिव पुस्तम हजाम ने कहा कि आज तक सरकार ने बिना आंदोलन के सहायक अध्यापकों को कोई लाभ नहीं दिया।उन्होंने कहा कि आंदोलन की बदौलत ही पारा शिक्षक को सहायक अध्यापक के नाम में परिवर्तित किया गया साथ ही मानदेय को 2 हजार से 20 हजार तक पहुंचाया गया है।उन्होंने जिले के सहायक अध्यापकों से अपने हक और अधिकार के लिए आगे आने की अपील की।मौके पर गदाधर महतो,सुमन कुमार धीर सामंत,सोमेश दास एवं भगवती सामल सहित जिला कमिटी व प्रखंड कमिटी के अन्य सदस्य मौजूद थे।

निर्धनता और नम्रता के साथ जीवन जीए : आर्चबिशप

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : सिस्टर्स ऑफ पूअर हैंडमेड ऑफ जीसस क्राइस्ट की तीन धर्मबहनों ने मंगलवार को आजीवन व्रत धारण किया।व्रत धारण की धर्मविधि आरागेट के संत फ्रांसिस कैथोलिक गिरजाघर में आर्चबिशप विंसेंट आईंद ने संपन्न कराया। धर्मसंघ की जिन धर्मबहनों ने आजीवन व्रत धारण किया, उनमें सिस्टर अलीश कुल्लू, सिस्टर संध्या केरकेट्टा एवं सिस्टर अनामिका तीडू ने आज्ञाकारिता, निर्धनता तथा शुद्धता का आजीवन व्रत धारण किया।इस अवसर पर आर्चबिशप ने अपने उपदेश में कहा कि- आज का व्रत अंतिम नहीं है बल्कि यह प्रत्येक दिन व्रत के अनुसार जीने की प्रतिज्ञा है. और व्रत यह है कि मैं प्रभु की दासी हूं और उसी की आज्ञा अनुसार मैं प्रभु और लोगों को समर्पित जीवन जीती हूं।उन्होंने निर्धनता तथा नम्रता के भाव के साथ जीवन जीने का संदेश भी दिया। आर्चबिशप ने कहा कि ईश्वर के बिना व्रत धारण जीवन की गारंटी नही क्योंकि ईश्वर ही शक्ति का स्त्रोत है. उपदेश के बाद व्रत धारण करने वाली धर्मबहनों ने आजीवन व्रत की घोषणा कर घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर भी किया।उनके इस व्रत धारण के प्रतीक स्वरूप उन्हें आर्चबिशप के द्वारा आशीष किया हुआ अंगूठी भी पहनाया गया। समारोह में पल्ली पुरोहित फादर बेसिल रुंडा, सिस्टर लूसी, सिस्टर हेलन व अन्य धर्मबहनें, पल्ली के विश्वासी, व्रत धारण करने वाली धर्मबहनों के माता पिता एवं रिश्तेदार उपस्थित थे।

जेसीबी से सुकर पालन फार्म हाउस जमींदोज, 12 लाख का नुकसान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गुमला : गुमला जिला के पालकोट प्रखंड में दबंगई और हिंसा का मामला सामने आया है जहां बसिया रोड स्थित गांधी नगर बस्ती के समीप मुनी देवी द्वारा संचालित सुकर पालन केंद्र को जेसीबी मशीन से पूरी तरह जमींदोज कर दिया गया।पीड़िता ने इस संबंध में पालकोट थाने में लिखित आवेदन देकर मनोहर प्रसाद सहित करीब 10 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी है।पीड़िता के अनुसार, बीते सोमवार की रात करीब 11 बजे जब वह अपनी पुत्री के साथ फार्म हाउस पर थीं।तभी आरोपियों ने दो जेसीबी मशीनों के साथ धावा बोल दिया।आरोप है कि हमलावरों ने मुनी देवी और उनकी बहू को बंधक बनाकर उनके हाथ-पांव बांध दिये और मुंह बंद कर दिया। ताकि वे शोर न मचा सकें।इसके बाद जेसीबी से सुकर पालन केंद्र की चारदीवारी और पक्के मकान को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। पी-ड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी फार्म हाउस से करीब 4.5 लाख रुपये मूल्य के पांच बड़े सुकर और 30 बच्चे लूट ले गये।इस घटना के दौरान उन्हें जातिसूचक गालियां देते हुए अपमानित भी किया गया।मकान और बाउंड्री टूटने से हुए नुकसान को मिलाकर कुल क्षति 12 लाख रुपये से अधिक बतायी जा रही है।रात करीब 1.30 बजे जब पीड़िता का बेटा ग्रामीणों के साथ घटनास्थल पहुंचा।तब आरोपी मौके से फरार हो गये।मामले की गंभीरता को देखते हुए पालकोट थाना प्रभारी तरुण कुमार ने बताया कि आवेदन प्राप्त हो चुका है और दोनों पक्षों को थाने बुलाकर गहनता से जांच की जा रही है, जिसके बाद उचित कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

संक्षिप्त खबरें

सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा होने पर फतेहपुर में एनडीए कार्यकताओं में भारी उत्साह

पटाखों और मिठाइयों के साथ मनाई गई खुशी,विकास व सुशासन को लेकर जगी नई उम्मीदें

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : बिहार में सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री पद पर आसीन होने की घोषणा के साथ ही फतेहपुर प्रखंड में एनडीए कार्यकताओं के बीच उत्साह का माहौल बन गया। मंगलवार की शाम झंडाचौक पर कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए और जमकर जश्न मनाया। ढोल-नगाड़ों की थाप पर नाच-गाना हुआ, वहीं एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी साझा की गई। झंडाचौक चौराहा पर बड़ी संख्या में जुटे समर्थकों ने आतिशबाजी कर अपने उल्लास का इजहार किया। कार्यकताओं ने इसे पार्टी के लिए गौरवपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण बताते हुए कहा कि सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार में विकास की रफ्तार तेज होगी और सुशासन को मजबूती मिलेगी। स्थानीय नेताओं और समर्थकों ने भरोसा जताया कि नई सरकार रोजगार, शिक्षा और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में प्रभावी कदम उठाएगी। लोगों का मानना है कि यह नेतृत्व परिवर्तन राज्य की राजनीति में नई दिशा और ऊर्जा लेकर आएगा।

इस अवसर पर उमेश गुप्ता, रामदीप सिंह, गुंजन सिंह, संजय पंडित, बबलू गुप्ता, लल्लू लाल, मंटू कुमार, उत्तम कुमार, गुड्डू सिंह, महेंद्र तिवारी, बबलू आर्या, सोनू कुमार, अभिषेक आर्या सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डॉ. अंबेडकर ने समानता, न्याय और अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय मायापुर के प्रांगण में शिक्षकों ने और नगवां में भाजपा कार्यकताओं ने भारत के संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने उनके जीवन संघर्ष, शिक्षा और समाज सुधार में दिए गए योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने समानता, न्याय और अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने उनके बताए मार्ग पर चलने और समाज में समरसता स्थापित करने का संकल्प दोहराया। इस मौके पर बिहार राज्य संघर्ष समिति के अध्यक्ष यदुनंदन प्रसाद, जिला प्रतिनिधि लाडले हसन, प्रखंड प्रवक्ता राजीव नयन, टेट उपाध्यक्ष प्रेम प्रकाश भारती, भाजपा महामंत्री उमेश पांडेय, अरविंद कुमार दास, ब्यूटी कुमारी, ईश्वरी राजवंशी आदि मौजूद रहे।

फतेहपुर में अवैध बालू पर पुलिस की कार्रवाई, दो ट्रैक्टर जब्त

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर थाना क्षेत्र के बगोदर मोड़ के पास मंगलवार को पुलिस ने अवैध बालू खनन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बालू लदे दो ट्रैक्टर जब्त किए। पुलिस की इस अचानक कार्रवाई से मौके पर हड़कंप मच गया। बताया जाता है कि पुलिस वाहन को देखते ही दोनों ट्रैक्टरों के चालक मौके से भाग निकले, जिससे उनकी पहचान नहीं हो सकी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दोनों ट्रैक्टरों को कब्जे में लेकर थाना पहुंचाया। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर मनोज कुमार ने बताया कि अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है और इस तरह की गतिविधियों पर सख्त नजर रखी जा रही है। जब्त वाहनों के मालिकों और चालकों की पहचान की जा रही है और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएग

नीतीश कुमार का 'सुशासन मॉडल' पूरे देश के लिए अनुकरणीय : उमेश सिंह कुशवाहा

पटना, (एजेंसी) : बिहार में जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में नीतीश कुमार के न्याय के साथ विकास के सिद्धांत पर आधारित बीस वर्षों के कार्यकाल को ऐतिहासिक और जनसमर्पित बताते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

जदयू प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जिस प्रकार बिहार की जनता ने नीतीश कुमार को लंबे समय से अपने हृदय में स्थान दिया है, उसी तरह उन्होंने भी हर बिहारवासी को अपने दिल में बसाकर उनके उत्थान और कल्याण के लिए निरंतर कार्य किया।

उन्होंने नीतीश कुमार को युगपुरुष बताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में बिहार ने अराजकता, अव्यवस्था और पिछड़ेपन के दौर से निकलकर सुशासन, विकास और सामाजिक न्याय के सशक्त मॉडल के रूप में पहचान बनाई है। आज बिहार में हर नागरिक को सम्मान, सुरक्षा और अवसर की नई दिशा मिली है।उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि नीतीश कुमार ने केवल सड़क, पुल और भवन जैसे भौतिक ढांचे का निर्माण नहीं किया, बल्कि बिहारवासियों के आत्मविश्वास को भी मजबूत किया और उनकी उम्मीदों को नई ऊंचाई दी। उनके दो दशकों के कार्यकाल में राज्य ने सुशासन के स्वर्णिम दौर का अनुभव किया है। उन्होंने बताया कि इस दौरान कई ऐतिहासिक निर्णय लिए गए, जिनमें पंचायती राज और नगर निकायों में महिलाओं, अनुसूचित जाति-जनजाति और अति पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण की व्यवस्था शामिल है, जो पूरे देश के लिए मिसाल बन चुकी है। साइकिल योजना और पोशाक योजना जैसी कल्याणकारी योजनाओं को अन्य राज्यों ने भी अपनाया है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि नीतीश कुमार केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विश्वास का नाम हैं। उन्होंने बिहार में बदलाव की ऐसी कहानी लिखी है, जिसकी गूंज आने वाली पीढ़ियों तक सुनाई देगी।

बिहार में राजग का सम्राट युग शुरू

बिहार में सत्ता का नया युग, सम्राट मॉडल पर भाजपा की निर्णायक चाल

पटना, (एजेंसी) : बिहार की सियासत में एक ऐतिहासिक मोड़ आया है। पहली बार भारतीय जनता पार्टी के हाथ में बिहार की सत्ता होगी और सम्राट चौधरी बिहार में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री होंगे। यह बदलाव सिर्फ चेहरे का नहीं, बल्कि राजनीतिक संतुलन और रणनीति के बड़े परिवर्तन का संकेत माना जा रहा है।

बिहार की राजनीति में यह बदलाव एक नए अध्याय की श-रूआत जरूर है, लेकिन यह अध्याय कितना सफल होता है,यह आने वाले समय में सम्राट चौधरी की नेतृत्व क्षमता और भाजपा की रणनीतिक मजबूती पर निर्भर करेगा। सम्राट चौधरी का मुख्यमंत्री बनना सिर्फ एक राजनीतिक नियुक्ति नहीं,बल्कि बिहार में सत्ता के नए युग की शुरूआत माना जा रहा है। अब सवाल है कि क्या भाजपा इस बदलाव को स्थायी राजनीतिक बढ़त में बदल पाएगी या यह प्रयोग भी बिहार की जटिल सियासत में एक नया मोड़ बनकर रह जाएगा?

किंगमेकर से किंग,बिहार में भाजपा का बड़ा उभार

राजनीतिक विश्लेषक और वरिष्ठ पत्रकार लव कुमार मिश्रा ने कहा कि अब तक बिहार की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी सहयोगी दल की भूमिका में ही नजर आती रही,जहां सरकार की कमान नीतीश कुमार के हाथों में केंद्रित थी और भाजपा पावर शेयरिंग तक सीमित रही। लेकिन, सम्राट चौधरी का मुख्यमंत्री बनना इस स्थापित धारणा को पूरी तरह बदल देता है। यह बदलाव संकेत देता है कि भाजपा अब केवल गठबंधन की साझेदार नहीं,बल्कि बिहार की सत्ता का मुख्य केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ चुकी है,जो राज्य की राजनीति में एक बड़े परिवर्तन का प्रतीक माना जा रहा है।

ओबीसी कार्ड से संगठन शक्ति तक

वरिष्ठ पत्रकार सियाराम पाण्डेय की मानें तो बिहार में सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री पद के लिए आगे बढ़ाना महज एक राजनीतिक नियुक्ति नहीं, बल्कि भारतीय जनता पार्टी की सोची-समझी रणनीति का

हिस्सा है। पार्टी ने इस फैसले के जरिए सामाजिक समीकरण,संगठनात्मक ताकत और आक्रामक राजनीति तीनों को साधने की कोशिश की है।

सम्राट चौधरी का चयन यूं ही नहीं हुआ। इसके पीछे तीन बड़े फैक्टर ओबीसी समीकरण, संगठन पर पकड़ और आक्रामक राजनीति काम कर रहे हैं। सम्राट चौधरी का सामाजिक आधार भाजपा को बिहार में पिछड़े वर्गों के बीच नई मजबूती दे सकता है। लंबे समय से पार्टी में सक्रिय रहने के कारण उनकी जमीनी पकड़ मजबूत मानी जाती है,जिससे कार्यकताओं में बेहतर समन्वय की उम्मीद है। विपक्ष पर सीधा और तीखा हमला उनकी पहचान रहा है,जिससे भाजपा अपने कोर वोटर को और सक्रिय रखना चाहती है। यह वही फॉर्मूला है जो भाजपा ने कई राज्यों में अपनाया है।

नीतीश के बाद नई बिसात, भाजपा का नया पावर बैलेंस

लंबे समय तक बिहार की राजनीति का केंद्र रहे नीतीश कुमार अब सत्ता के केंद्र में नहीं हैं। वहीं, भाजपा एक नया पावर बैलेंस बना रही है। भारतीय जनता पार्टी एक नया राजनीतिक संतुलन गढ़ रही है,जिसमें नेतृत्व बदलकर भी गठबंधन की संरचना को बनाए रखा जाए। राजनीतिक विश्लेषक अरुण पांडेय का मानना है कि भाजपा एक ओर अपने नेतृत्व को स्थापित कर रही है, तो दूसरी ओर पुराने सामाजिक और राजनीतिक समीकरणों को पूरी तरह तोड़ने के बजाय उन्हें नए ढंग से संतुलित करने की रणनीति पर भी काम कर रही है। ऐसे में यह बदलाव सिर्फ नेतृत्व परिवर्तन नहीं, बल्कि बिहार की राजनीति के नए समीकरणों की शुरूआत भी हो सकता है।

लंबी रणनीति का खेल, भाजपा का सम्राट प्लान

राजनीतिक विश्लेषक लव कुमार मिश्र का मानना है कि यह फैसला सिर्फ वर्तमान के लिए नहीं,बल्कि आने वाले चुनावों को ध्यान में रखकर लिया गया है। भारतीय जनता पार्टी अब राज्य में अपनी स्वतंत्र पहचान और नेतृत्व के दम पर सत्ता हासिल करने की दिशा में स्पष्ट रूप से आगे बढ़ रही है। यह कदम पार्टी की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है। इसके तहत भाजपा अब अपने चेहरे पर चुनाव लड़ने की स्थिति में आना चाहती है। सम्राट चौधरी को दीर्घकालिक निवेश के रूप में तैयार किया जा रहा है। पार्टी बिहार में पूर्ण बहुमत हासिल करने की रणनीति पर काम कर रही है। इस बदलाव को संकेत के तौर पर देखा जा रहा है कि भाजपा अब गठबंधन की राजनीति से आगे बढ़कर बिहार में अपने दम पर मजबूत राजनीतिक आधार बनाने की कोशिश में है।

चुनौतियां भी कम नहीं, पहली ही पारी में अग्निपरीक्षा

इस बड़े राजनीतिक दांव के साथ चुनौतियां भी कम नहीं हैं। मुख्यमंत्री बनने के साथ ही सम्राट चौधरी के सामने कई बड़ी चुनौतियां हैं। भारतीय जनता पार्टी के पहले मुख्यमंत्री के तौर पर उनसे अपेक्षाएं भी कहीं ज्यादा हैं। ऐसे में उनकी अग्निपरीक्षा तुरंत शुरू मानी जा रही है। मुख्यमंत्री बनने के साथ ही उन्हें कई मोर्चों पर खुद को साबित करना होगा।

प्रशासनिक अनुभव को साबित करना,गठबंधन समीकरण संभालना,विकास बनाम जातीय राजनीति का संतुलन, कानून-व्यवस्था और रोजगार जैसे मुद्दों पर ठोस परिणाम देना उनकी सबसे बड़ी परीक्षा होगी। ऐसे में सम्राट चौधरी के लिए यह सिर्फ पद संभालने का मौका नहीं,बल्कि खुद को एक प्रभावी और परिणाम देने वाले नेता के रूप में स्थापित करने की बड़ी परीक्षा भी है।

बापू और अंबेडकर के विचारों को कमजोर करने वाले गोडसेवादी को सत्ता सौंपकर नीतीश कुमार ने भीमराव अंबेडकर की आत्मा और विचार को आहत किया है: तेजस्वी प्रसाद यादव

पटना, (एजेंसी) : बिहार की राजधानी पटना स्थित बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के राज्य कार्यालय के कपूर्री सभागार में संविधान निमार्ता, भारत रत्न बाबा साहब डॉ.भीमराव अंबेडकर जी का 135वाँ जयंती समारोहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर पर आरजेडी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव सहित पार्टी के सभी नेताओं ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने की जबकि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह स्वागताध्यक्ष उदय नारायण चौधरी ने संचालन किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में तेजस्वी प्रसाद यादव ने कहा हमसबों को यह नहीं भूलना चाहिए कि बाबा साहब ने भारत के संविधान की रचना की और उसमें पिछड़ा, अतिपिछड़ा, अनुसूचित जाति, जनजाति के हक और अधिकार की बातें की और इन वर्गों के लिए संविधान ने अधिकार दिया। बाबा साहब ने हमें संगठित, शिक्षित और संघर्ष करने की प्रेरणा दी। शिक्षा ग्रहण करने के लिए दलितों, शोषितों, वंचितों को हर स्तर पर आगे आना होगा। तेजस्वी ने आगे कहा कि नीतीश जी ने आज इस्तीफा दे दिया है, भाजपा-आरएसएस को बढ़ावा देने के प्रति उनका जो सोच रहा है, उसी का परिणाम आज उनका इस्तीफा। आज बापू के हत्यारे नाथूराम गोडसे की नीतियों पर चलने वालों को सत्ता सौंपकर बाबा साहब के आत्मा को आत्मा और विचार को आहत किया है। ये उन पर दबाव का नतीजा है। जहां राष्ट्रीय जनता दल और हमलोगों ने भाजपा-आ-रएसएस को रोकने का काम किया वहीं नीतीश कुमार जी ने उनके लिए मैदान मुहैया करवाकर बाबा साहब के विचारों को आज के दिन उनके जयन्ती के अवसर पर कमजोर किया है।

पटना में पुरानी रंजिश में एक व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या, बेटा घायल

पटना,(एजेंसी) : बिहार की राजधानी पटना के पालीगंज अनुमंडल में एक पुरानी रंजिश में एक व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या कर दी गई, जबकि उसका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना बिक्रम थाना क्षेत्र के अराप गांव की है। मृतक की पहचान 40 वर्षीय रमाकांत पासवान के रूप में हुई है, जबकि उनका बेटा गोलू कुमार इस हमले में घायल हो गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, गोलू कुमार और 45 वर्षीय सरयूग शर्मा के बीच सब्जी की दुकान लगाने को लेकर पुराना विवाद था। इसी बात को लेकर विवाद बढ़ गया। आरोप है कि गुस्से में आकर सरयूग शर्मा ने गोलू पर चाकू से हमला कर दिया। जान बचाने के लिए गोलू अपने घर की ओर भागा, लेकिन आरोपी उसका पीछा करते हुए वहां भी पहुंच गया। इसी दौरान जब पिता रमाकांत पासवान अपने बेटे को बचाने के लिए बीच में आए, तो आरोपी ने उन पर कई बार चाकू से वार कर दिया। गंभीर रूप से घायल रमाकांत को तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। बिक्रम थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने बताया कि परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने छापेमारी कर आरोपी सरयूग शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है।

नीतीश कुमार के इस्तीफे पर ललन सिंह की भावुक प्रतिक्रिया, कहा-बिहार के विकास युग का हुआ समापन

पटना, (एजेंसी) : जनता दल यूनाइटेड के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने मुख्यमंत्री पद से नीतीश कुमार के इस्तीफे को लेकर भावुक प्रतिक्रिया दिया है। उन्होंने कहा यह बिहार की विकास यात्रा के एक महत्वपूर्ण और भावनात्मक अध्याय का समापन है।

ललन सिंह ने अपने बयान में कहा कि नीतीश कुमार का इस्तीफा केवल एक पद का त्याग नहीं है, बल्कि यह वर्षों की तपस्या, समर्पण और जनसेवा के एक युग का विराम है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में नीतीश कुमार का नाम ह्यनव बिहार के नव निर्माण के कुशल शिल्पकारह्व के रूप में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा।उन्होंने आगे कहा कि नीतीश कुमार ने ह्यन्याय के साथ विकासह्व के मूल मंत्र को अपनाते हुए बिहार में सुशासन की मिसाल पेश की और कानून के राज को मजबूत किया। उनके अनुसार, नीतीश कुमार ने हर वर्ग में सुरक्षा और विश्वास की भावना को स्थापित किया तथा राज्य को एक नई पहचान दी।ललन सिंह ने यह भी कहा कि नीतीश कुमार का नेतृत्व बिहार के विकास और सामाजिक एकता के लिए महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा कि उनका इस्तीफा एक भावनात्मक क्षण है, जिसने उन सभी लोगों को प्रभावित किया है जिन्होंने बिहार के इस परिवर्तन को देखा है।उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार का योगदान केवल इतिहास तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा।

सम्राट चौधरी होंगे बिहार के नए मुख्यमंत्री, भाजपा विधायक दल की बैठक में लगी मुहर

पटना, (एजेंसी) : बिहार की राजनीति में बड़ा बदलाव सामने आया है। सम्राट चौधरी को राज्य का नया मुख्यमंत्री चुना गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक दल की बैठक में उनके नाम पर मुहर लग गई है। इसके साथ ही राज्य में नई सरकार के गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है।

इससे पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने तय समय के अनुसार राज्यपाल सैयद अता हसनैन को लोकभवन पहुंचकर अपना इस्तीफा सौंपा। इस्तीफा सौंपते समय उनके साथ सम्राट चौधरी और विजय चौधरी भी मौजूद थे। राज्यपाल ने उनका इस्तीफा स्वीकार करते हुए कैबिनेट भंग करने की सिफारिश को भी मंजूरी दे दी।

कैबिनेट बैठक के बाद नीतीश कुमार निर्धारित समय पर लोकभवन पहुंचे और औपचारिक रूप से इस्तीफा दिया, जिसके बाद नई सरकार के गठन का रास्ता साफ हो गया।

इधर, भाजपा विधायकों की बैठक के बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की बैठक आयोजित की गई, जिसमें सर्वसम्मति से सम्राट चौधरी को विधायक दल का नेता चुना गया। अब वे बिहार के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। बताया जा रहा है कि इस्तीफे से पहले सम्राट चौधरी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ मुख्यमंत्री आवास पहुंचे थे। उनके साथ भाजपा के नेता नितिन नवीन, केंद्रीय पर्यवेक्षक शिवराज सिंह चौहान और विजय कुमार सिन्हा भी मौजूद थे।

राजनीतिक हलकों में इस फैसले के बाद हलचल तेज हो गई है और अब सभी की नजरें शपथ ग्रहण समारोह और नई सरकार के गठन पर टिकी हुई हैं।

फतेहपुर में प्रतिभा का हुआ सम्मान, प्रथम श्रेणी से पास छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

समारोह में मेधावी छात्र-छात्रा को साइकिल व पाठ्य सामग्री देकर किया गया सम्मानित

80 प्रतिशत छात्रों ने प्रथम श्रेणी में पायी सफलता, क्षेत्र का बढ़ाया मान

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

फतेहपुर (गया जी):फतेहपुर प्रखंड के बदउँआ स्थित न्यू कैरियर शिक्षण संस्थान में मंगलवार को एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन कर मैट्रिक और इंटर परीक्षा में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व विधायक अजय पासवान ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले दो छात्र रोहित कुमार व प्रियांशु कुमार और एक छात्रा सोनम कुमारी को संस्थान की ओर से साइकिल उपलब्ध कराई गई।बैग व पाठ्य सामग्री प्रदान कर सम्मानित किया। वहीं पूर्व पैक्स अध्यक्ष चंद्रदेव प्रसाद ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले छात्र-छात्राओं को अपनी ओर से संविधान की पुस्तक देकर सम्मानित किया। इनके साथ ही प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण अन्य सभी छात्र-

छात्राओं को भी पाठ्य सामग्री भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस मौके पर पूर्व विधायक ने कहा कि शिक्षा जीवन का सबसे मजबूत आधार है। यह व्यक्ति को सही-गलत की पहचान सिखाती है और उसे आत्मनिर्भर बनाती है। शिक्षा से सोच का विकास होता है, समाज में सम्मान मिलता है और बेहतर भविष्य का मार्ग खुलता है। यह हर व्यक्ति का मौलिक अधिकार और सबसे बड़ा धन है। संस्थान के निदेशक बुधलाल प्रसाद ने बताया कि इस वर्ष मैट्रिक परीक्षा में 80 प्रतिशत छात्र-छात्रा प्रथम श्रेणी में सफलता हासिल की। इनमें छात्रा सोनम कुमारी और छात्र रोहित कुमार व प्रियांशु कुमार ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए क्रमशः 453 एवं 444 अंक प्राप्त कर संस्थान एवं क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक बुधलाल प्रसाद ने की, जबकि संचालन पूर्व पैक्स अध्यक्ष चंद्रदेव प्रसाद ने किया। इस अवसर पर समाजसेवी बबलू सिंह, शिक्षक धीरज कुमार, कुंदन कुमार चंदन कुमार, लक्ष्मीकांत कुमार, साहब खान, गफ्फार खान, सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित

सम्राट चौधरी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और विकास का संकल्प और अधिक गति पकड़ेगा: संजय सरावगी

पटना, (एजेंसी) :बिहार राष्ट्रीय जनतान्त्रिक गठबंधन (एनडीए) विधानमंडल दल की बैठक में आज सम्राट चौधरी को नेता चुन लिया गया। बिहार एनडीए विधानमंडल दल के नेता के रूप में सम्राट चौधरी के सर्वसम्मति से चयन किए जाने पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।संजय सरावगी ने विश्वास जताते हुए कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और विकास को नई गति मिलेगी। उन्होने दावा करते हुए कहा कि उनका कार्यकाल जनकल्याण के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।उंन्होने कहा कि सम्राट चौधरी का सशक्त, अनुभवी और दूरदर्शी नेतृत्व निश्चित ही संगठन को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगा तथा जनसेवा के संकल्प को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा।

उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में बिहार की विकास की गति और तेज होगी और 'न्याय के साथ विकास की प्रतिबद्धता को और मजबूती मिलेगा। उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेता सम्राट चौधरी के सफल एवं जनकल्याणकारी कार्यकाल की मंगलकामनाएं भी कीं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि सम्राट चौधरी निष्ठा, समर्पण और ईमानदारी के साथ जन-जन की अपेक्षाओं पर खरा उतरेंगे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विकसित बिहार बनाने के संकल्पों को आगे बढ़ाएंगे।

उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार को विकास, सुशासन और समृद्धि के नए आयाम गढ़े हैं। अब उन आयामों को आगे बढ़ाने में सम्राट चौधरी कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि बिहार तेजी से आगे बढ़ेगा।

संपादकीय

ट्रंप का पागलपनः अमेरिका के लिए ब्रिक्स के बाद अब अफ्रीकी देशों की चुनौती

वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था के बदलते परिदृश्य में अमेरिका की पारंपरिक ताकत को कई मोर्चों पर चुनौती मिलना शुरू हो गई है। ब्रिक्स देशों के विस्तार और अमेरिका के प्रति नाराजी के बाद अब अफ्रीकन यूनियन भी वैश्विक शक्ति संतुलन में अमेरिका के खिलाफ अपनी भूमिका को मजबूती से स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सबसे बड़ा परिवर्तन आर्थिक मोर्चे पर देखने को मिल रहा है। लंबे समय से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में अमेरिकी डॉलर का वर्चस्व बना हुआ था। पहले ह्यपेट्रो-डॉलरह्व की व्यवस्था कहा जाता है। डॉलर के जरिए पेट्रोलियम का कारोबार जब से शुरू हुआ है तब से डॉलर और अमेरिका दोनों का प्रभुत्व बढ़ता चला गया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद जिस तरह से टैरिफ को लेकर सारी दुनिया के देशों को धमकाया। वैश्विक व्यापार संधि को ठुकराते हुए उन्होंने अपने नियम कानून बनाने शुरू कर दिए। इससे अमेरिका की साख सारी दुनिया में घट गई। अमेरिका ने जिस तरह से वेनेजुएला के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को आधी रात को राष्ट्रपति भवन से उठा लिया था, इस कार्रवाई को दुनिया के किसी भी देश ने पसंद नहीं किया। अब इजरायल और अमेरिका ने मिलकर ईरान के ऊपर हमला किया है, यह हमला उस समय हुआ था जब बातचीत चल रही थी। इस हमले के जरिए ईरान के धर्मगुरु सहित 180 छोटी-छोटी बच्चियों और हजारों लोगों की हत्या इजराइल और अमेरिका ने की है। उसके बाद से अमेरिका की मुश्किलें एक के बाद एक बढ़ती चली जा रही हैं। ईरान, रूस और चाइना जैसे देश अपने द्विपक्षीय व्यापार में स्थानीय मुद्राओं का उपयोग लगातार बढ़ा रहे हैं। कई देशों ने अमेरिकी ट्रेजरी से बांड और गोल्ड का स्टॉक निकाल लिया है। सारी दुनिया के देशों की डॉलर पर निर्भरता कम हो रही है। अमेरिका की आर्थिक स्थिति भी दिन-प्रतिदिन खराब होती चली जा रही है। अमेरिका की आर्थिक और सामरिक ताकत ही सबसे बड़ी ताकत थी, जिसके बल पर वह सारी दुनिया में राज कर रहा था ।यहां अफ्रीकी यूनियन का रुख भी महत्वपूर्ण हो चला है। अफ्रीका के कई देश मिलकर अपने संसाधनों विशेषकर खनिज और ऊर्जा के क्षेत्र में अधिक संतुलित और बहुध्रुवीय व्यापार व्यवस्था की ओर आगे बढ़ रहे हैं। इससे अमेरिका और पश्चिमी देशों की पारंपरिक पकड़ और आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। ऐसे में यदि अफ्रीकी देश एकजुट होकर व्यापार और मुद्रा के नए विकल्प तलाश कर लेते हैं, तो बड़ी तेजी के साथ वैश्विक आर्थिक समीकरण बदलना तय है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव विशेषकर इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष ने अमेरिका की ताकत को चुनौती देने का काम कई देश मिलकर कर रहे हैं।

रंग, राग और रचनाः जीवन में कला का उत्सव

(15 अप्रैल विश्व कला दिवस पर विशेष आलेख)

15 अप्रैल को प्रतिवर्ष विश्व कला दिवस (वर्ल्ड आर्ट डे) के रूप में मनाया जाता है ।विश्व कला दिवस हमें यह सिखाता है कि कला केवल सौंदर्य नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने, समझने और बदलने की ताकत भी रखती है ।कला ने विकास, क्रांति, स्वतंत्रता और रचनात्मकता के संदेशों को संप्रेषित करने और वैश्विक मुद्दों को जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कला में वह ताकत है जो हमें जीवन की सबसे कठिन परिस्थितियों में भी एकजुट और संलग्न कर सकती है ।कला केवल एक सुंदर चित्र,या पेंटिंग मात्र ही नहीं है, बल्कि यह तो हमारे समाज की धड़कन है, स्थानीय और वैश्विक समुदायों में वे जो परिवर्तन देखना चाहते हैं, उसका हृदय है। वास्तव में, यह यह दिन कला और रचनात्मकता को बढ़ावा देने, सांस्कृतिक विविधता को सम्मान देने, कलाकारों को सम्मान और पहचान दिलाने,समाज में संवाद, शांति और एकता को प्रोत्साहित करने,शिक्षा में कला के महत्व को उजागर करने तथा युवाओं को कला के प्रति प्रेरित करने के क्रम में हर साल मनाया जाता है। कहना गलत नहीं होगा कि कला हमारे जीवन को सुंदर, अर्थपूर्ण और संवेदनशील बनाती है ।अनेक शोध यह बताते हैं कि कला (जैसे पेंटिंग, संगीत, लेखन) तनाव कम करने और मानसिक स्वास्थ्य सुधारने में सहायक होती है और यह दिवस चित्रकला, संगीत, नृत्य, नाटक और साहित्य जैसी विभिन्न कला विधाओं को समर्पित है।

बहरहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि मनुष्य और कला का संबंध अत्यंत गहरा, स्वाभाविक और प्राचीन है। जब से मानव सभ्यता का आरंभ हुआ, तब से ही मनुष्य ने अपनी भावनाओं, विचारों और अनुभवों को व्यक्त करने के लिए कला का सहारा लिया। प्रारंभिक मानव ने गुफाओं की दीवारों पर चित्र बनाकर अपने जीवन, शिकार और प्रकृति के साथ संबंध को दशार्या-और यहीं से वास्तव में कला और मनुष्य का यह अनोखा रिश्ता शुरू हुआ ।सच तो यह है कि कला मनुष्य की संवेदनाओं की पूर्ण व अनोखी अभिव्यक्ति है। खुशी, दुःख, प्रेम, क्रोध, आशा और निराशा जैसे भाव जब शब्दों में पूरी तरह व्यक्त नहीं हो पाते, तब कला उन्हें रूप, रंग, संगीत, नृत्य या साहित्य के माध्यम से जीवंत बना देती है। इस प्रकार कला मनुष्य के भीतर की दुनिया को(आंतरिक भावों, संवेदनाओं) बाहर लाने का माध्यम बनती है ।कला केवल अभिव्यक्ति ही नहीं, बल्कि यह तो मनुष्य के आत्मिक संतुलन और मानसिक शांति(मेंटल सूदिंग) का भी साधन है। चित्रकारी, संगीत या लेखन जैसे कलात्मक कार्य मनुष्य को तनाव से दूर ले जाकर उसे सृजनात्मक आनंद प्रदान करते हैं। शायद यही कारण भी रहा है कि हर युग में कला ने मानव जीवन को सुंदर और संतुलित बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है ।इसके अलावा, कला समाज और संस्कृति का दर्पण भी होती है। किसी भी देश या समाज की परंपराएँ, रीति-रिवाज, इतिहास और जीवन शैली कला के विभिन्न रूपों में झलकते हैं। इस तरह कला न केवल व्यक्ति को स्वयं से जोड़ती है, बल्कि उसे अपने समाज और उसकी जड़ों से भी जोड़ती है। आधुनिक युग में भी यह संबंध उतना ही प्रासंगिक है, बल्कि और भी व्यापक हो गया है। डिजिटल आर्ट, एनीमेशन, फिल्म और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) के माध्यम से कला के नए-नए रूप सामने आ रहे हैं, जो मनुष्य की रचनात्मकता को नई ऊँचाइयों तक पहुँचा रहे हैं। हाल फिलहाल, इस दिवस पर देश-विदेश में विभिन्न स्कूल, कॉलेज और सांस्कृतिक संस्थान इस दिन प्रदर्शनी, कार्यशालाएं और प्रतियोगिताएं, आर्ट फेस्टिवल और लाइव पेंटिंग इवेंट्स आदि आयोजित करते हैं। आज सोशल नेटवर्किंग साइट्स का युग है और ऐसे समय में आजकल सोशल मीडिया पर भी कलाकार अपनी कला साझा कर जागरूकता फैलाते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि कला मनुष्य के मानसिक स्वास्थ्य और आत्म-अभिव्यक्ति का महत्वपूर्ण माध्यम है ।इस-ाकी शुरूआत अंतरराष्ट्रीय कला संघ द्वारा की गई थी। यहां पाठकों को बताता चलूं कि अंतरराष्ट्रीय कला संघ यूनेस्को से जुड़ा हुआ एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि पहली बार इसे वर्ष 2012 में मनाया गया था तथा 15 अप्रैल का दिन इसलिए चुना गया क्योंकि यह महान कलाकार लियोनार्डो दा विंची का जन्मदिन है, जिन्हें कला और विज्ञान के प्रतीक के रूप में देखा जाता है ।सरल शब्दों में कहें तो लियोनार्डो दा विंची के जन्मदिन (15 अप्रैल) को समर्पित है, जो विश्व शांति, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और बहुसंस्कृतिवाद के प्रतीक हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 में यूनेस्को ने इस दिन को आधिकारिक रूप से मान्यता दी, जिससे इसकी वैश्विक पहचान और मजबूत हुई ।हर वर्ष इस दिवस की एक थीम रखी जाती है और वर्ष 2025 में इसकी थीम-अभिव्यक्ति का बगीचा-कला के माध्यम से समुदाय का निर्माण रखी गई थी। वास्तव में, इस थीम का उद्देश्य था कि कला के जरिए लोगों को जोड़ना, देश और समाज में सामुदायिक भावना को मजबूत करना और रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देना ।इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में इस दिवस की थीम-एकता और उपचार के लिए कला रखी गई है। यह थीम दुनिया भर में बढ़ती विभिन्नताओं और तनावों के बीच कला की जोड़ने वाली शक्ति पर जोर देती है। यह कला ही होती है जो मानसिक और भावनात्मक उपचार (हीलिंग) में मदद करती है। वास्तव में यह लोगों को प्रेरित करती है कि वे कला के जरिए सामाजिक सौहार्द, सहानुभूति और शांति को बढ़ावा दें।

आज का युग डिजिटल युग है, सोशल नेटवर्किंग साइट्स,एआइ व संचार क्रांति का युग है और ऐसे दौर में कला तकनीक व विज्ञान के साथ मिलकर नए रूप में उभर रही है। डिजिटल आर्ट के जरिए कलाकार अब एडोब फोटोशॉप और प्रो-क्रिएट जैसे सॉफ्टवेयर से आसानी से अपनी रचनात्मकता व्यक्त कर रहे हैं। वहीं नोन- फंजीबल टोकन (एन एफ टी) ने डिजिटल कला को आर्थिक पहचान दी है, जिससे कलाकार सीधे अपनी कला बेच सकते हैं। इसके साथ ही एआइ(आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) आर्ट, जैसे डैलभ्ई, ने कुछ ही सेकंड में कल्पनाओं को चित्रों में बदलना संभव बना दिया है। इस प्रकार, आधुनिक तकनीक ने कला को अधिक सुलभ, वैश्विक और नवाचारी बना दिया है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि डैलभ्ई एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) आधारित इमेज जनरेटर है, जिसे ओपन-एआइ ने विकसित किया है। वास्तव में, यह एक ऐसा टूल है जो टेक्स्ट (शब्दों/वर्णन) को समझकर उसके आधार पर चित्र (इमेजेज) बना देता है। कहना गलत नहीं होगा कि आज के तेज-रफ्तार और तनावपूर्ण जीवन में कला एक तरह की मानसिक चिकित्सा (थैरेपी) की तरह काम करती है। यही कारण है कि आर्ट थैरेपी का उपयोग भी लोगों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए किया जाता है। सरल शब्दों में कहें तो कला में अद्भुत सूदिंग पावर (सुकून देने की शक्ति) होती है। यह मनुष्य के मन और आत्मा को गहराई से प्रभावित करती है। जब व्यक्ति तनाव, चिंता या दुख में होता है, तब संगीत, चित्रकला, कविता या नृत्य जैसे कला के रूप उसे भीतर से शांत और हल्का महसूस कराते हैं। वास्तव में, कोई भी कला मन की अशांति को धीरे-धीरे कम करती है और भावनाओं को संतुलित करती है। जैसे मधुर संगीत सुनने से मन शांत हो जाता है, या कोई सुंदर चित्र देखने से भीतर एक सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न होती है। इसी तरह लेखन या चित्रकारी करने से व्यक्ति अपनी भावनाओं को बाहर निकाल पाता है, जिससे मानसिक बोझ कम होता है।

अंततः यह बात कही जा सकती है कि मनुष्य और कला का संबंध आत्मा और अभिव्यक्ति का संबंध है-एक के बिना दूसरा अधूरा है। कला मनुष्य को केवल जीवित नहीं रखती, बल्कि उसे संवेदनशील, सृजनशील और मानवीय बनाती है।

सुनील कुमार महला

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अपने हृदय में उस दिव्य चिंगारी, जिसे अंतरात्मा कहते है, को जिंदा रखने के लिए मेहनत करो।

: जोर्ज वाशिंगटन

कुछ भी इतना कठिन नहीं है अगर आप उसे छोटे-छोटे कार्यो में विभाजित कर ले।

: हेनरी फोर्ड

कैनवास पर जिंदगीः जब कला और नवाचार बनते हैं बदलाव की भाषा

कहते हैं कि कोरे कागज पर जब पहली बार कोई टेढ़ी-मेढ़ी लकीर खींची जाती है, तो वह महज एक आकृति नहीं होती, बल्कि इंसान के भीतर पल रहे एक विचार का पहला भौतिक जन्म होता है। वह पहली लकीर गवाह होती है उस छटपटाहट की, जो कुछ नया रचने के लिए हमारे भीतर हमेशा मचलती रहती है। आज का समय केवल सूचनाओं का नहीं, बल्कि उन सूचनाओं को खूबसूरती से पेश करने और उनसे नए रास्ते तलाशने का है। कला और नवाचार, ये दो ऐसे शब्द हैं जो सुनने में तो अलग-अलग क्षेत्रों के लगते हैं, लेकिन असल में ये एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। कला जहाँ हमें संवेदनाओं से भरती है, वहीं नवाचार उन संवेदनाओं को समाधान में बदल देता है।

भारतीय परिदृश्य में देखें तो कला कभी भी केवल दिखाने या सजाने की वस्तु नहीं रही, बल्कि यह हमारे जीवन जीने का एक अभिन्न ढंग रही है। हमारे देश के गाँवों की कच्ची दीवारों पर जब कोई महिला बिना किसी औपचारिक डिग्री के अपनी उंगलियों से मधुबनी या वरली के जरिए सदियों का इतिहास उकेर देती है, तो वह उसकी रचनात्मकता का शिखर होता है। दक्षिण के मंदिरों की वह बारीक नक्काशी हो या बनारस के घाटों पर सुबह की पहली किरण के साथ गूँजती शास्त्रीय बंदिशें, हमारी हर परंपरा में एक इनोवेशन छिपा रहा है। हमने मिट्टी से घड़ा बनाया तो वह हमारी जरूरत थी, लेकिन उसी घड़े को जब एक खास शक्ल दी गई ताकि पानी शीतल रहे और देखने वाले की आँखों को भी सुकून मिले, तो वह कला और विज्ञान का अद्भुत संगम बन गया। दुनिया भर में हर साल 15 अप्रैल को विश्व कला दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो महान खोजी और कलाकार लियोनार्डो दा विंची की याद दिलाता है। दा विंची एक ऐसे शख्सियत थे जिन्होंने सदियों पहले यह साबित कर दिया था कि एक कलाकार के भीतर ही एक वैज्ञानिक और एक इंजीनियर छिपा होता है। भारत में भी आज इसी सोच को नए सिरे से परिभाषित करने की जरूरत है। आज जब पूरी दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी मशीनी दिमाग के बढ़ते प्रभाव से सहमी हुई है, तब मानवीय संवेदनाओं वाली कला की अहमियत और बढ़ गई है। मशीनें करोड़ों आंकड़े जुटा सकती हैं, वे गणना कर सकती हैं, लेकिन वे उस एहसास को जन्म नहीं दे सकतीं जो एक कलाकार की मौलिक सोच से उपजता है। मशीन कभी भी उस दर्द, उस संघर्ष या उस निस्वार्थ मुस्कान को कैनवास पर वैसे नहीं उतार सकती, जैसा एक इंसान अपनी जिंदगी के अनुभवों से निचोड़कर लाता है।

बदलते भारत में अब कला और तकनीक का एक नया और गहरा रिश्ता बनता दिख रहा है। यह बदलाव की एक नई भाषा है। आज का युवा अपनी पारंपरिक विरासत को छोड़ नहीं रहा, बल्कि उसे तकनीक के पंख लगा रहा है। जब एक बुनकर सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म का सहारा लेकर अपनी साड़ियों के डिजाइन सीधे वैश्विक बाजार तक पहुँचाता है, तो वह अपनी विरासत को नया जीवन दे रहा होता है। यह नवाचार ही है जो हमारी मरती हुई कलाओं को ऑक्सीजन दे रहा है। हमें यह समझना होगा कि नयापन या इनोवेशन कोई रॉकेट साइंस नहीं है, बल्कि यह अपने पुराने काम को थोड़े अलग और बेहतर तरीके से करने का साहस है। शिक्षा के क्षेत्र में भी हमें इसी नजरिए की दरकार है। अक्सर हम बच्चों को तयशुदा ढर्रे पर चलाने की होड़ में उनके भीतर के सृजनात्मक पक्ष को नजरअंदाज कर देते हैं।

हम उन्हें डॉक्टर या इंजीनियर तो बनाना चाहते हैं, लेकिन एक रचनात्मक इंसान बनाना भूल जाते हैं। हमें ऐसे समाज और ऐसी शिक्षा पद्धति की जरूरत है जहाँ लीक से हटकर सोचने को न केवल स्वीकार किया जाए, बल्कि उसे प्रोत्साहित भी किया जाए। यदि कोई बच्चा गणित के उलझे हुए सवालों को किसी धुन या चित्र के जरिए हल करता है, तो वह भविष्य के एक बड़े नवाचारी बनने की राह पर है।

अंततः, हमें कला को केवल दीघाओं या ड्राइंग रूम की सजावट तक सीमित नहीं रखना चाहिए। चाहे आप एक शिक्षक हों, खेत में पसीना बहाता किसान हों, घर संभालती गृहणी हों या कंप्यूटर पर कोडिंग करता सॉफ्टवेयर इंजीनियर-अपने काम को करने का आपका जो अपना मौलिक और बेहतर तरीका है, वही आपकी असली कला है। भारत की असली ताकत यहाँ के लोगों के हुनर और उनकी संस्कृतिक विविधता में है। जब हम अपनी इस कलात्मक सोच को आधुनिक तकनीक और नए विचारों से पूरी तरह जोड़ देंगे, तभी एक ऐसे समाज का निर्माण होगा जहाँ हर हाथ में कौशल होगा और हर दिमाग में एक नया विचार। आइए, इस रचनात्मकता के सप्ताह को अपनी जिंदगी के कोरे कैनवास पर नए रंग भरने और समाज में एक सार्थक बदलाव लाने की शुरूआत बनाएं।

दिलीप कुमार पाठक

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7482

सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7481 का हल

8	2	4		9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

दैनिक पंचांग

15 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

बुधवार 2026 वर्ष का 105 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** त्रयोदशी 22.32 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाभाद्रपदा 15.23 बजे को समाप्त। **योग** ब्रह्म 13.25 बजे को समाप्त। **करण** गर 11.27 बजे तदनन्तर वणिज 22.32 बजे को समाप्त।

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मेष में
चंद्र	मीन में
मंगल	मीन में
बुध	मीन में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	मेष में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

लग्नारंभ	समय
मेष	05.41 बजे से
वृष	07.21 बजे से
मिथुन	09.19 बजे से
कर्क	11.32 बजे से
सिंह	13.49 बजे से
कन्या	16.00 बजे से
तुला	18.11 बजे से
वृश्चिक	20.26 ब.से
धनु	22.42 बजे से
मकर	00.47 बजे से
कुंभ	02.34 बजे से
मीन	04.06 बजे से

चन्द्रायु 24.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 09° 42' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872680 **जूलियन दिन** 2461145.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** सव्वाल **तारीख** 26 **विशेष** प्रदोष व्रत, मासिक शिवरात्रि, विषु कानी, कुब्जिका जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

राजनीति के आंगन में सनातन की अडिग ध्वजा के वाहक डॉ. नरोत्तम मिश्रा

भारतीय राजनीति में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जो केवल सत्ता के समीकरणों में न फंसकर, एक विचारधारा, संस्कृति और अडिग विश्वास का प्रतीक बन जाते हैं। मध्य प्रदेश की राजनीति में संकटमोचक के रूप में चर्चित पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ऐसे ही व्यक्तित्व हैं। उनका जीवन और कार्य हमें यह संदेश देते हैं कि राजनीति केवल अवसरवादिता तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह समाज के संस्कृतिक और धार्मिक मूल्यों की रक्षा का एक पवित्र दायित्व भी है।

15 अप्रैल 1960 को ग्वालियर की ऐतिहासिक भूमि पर जन्मे डॉ. नरोत्तम मिश्रा के व्यक्तित्व में चंबल की प्रचंडता और ग्वालियर की सांस्कृतिक गरिमा का अद्वितीय सम्मिलन है। उनकी शिक्षा और जीवन के प्रारंभिक संघर्षों ने उन्हें न केवल अकादमिक रूप से सशक्त किया, बल्कि उनके भीतर राष्ट्रवाद, सनातन संस्कृति और धर्म के प्रति अडिग श्रद्धा का बीज भी रोपित किया। डॉ. मिश्रा का राजनीति में प्रवेश केवल एक पेशेवर विकल्प नहीं था, बल्कि यह समाज की सेवा और भारतीय संस्कृति की रक्षा का संकल्प था।

डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने हमेशा यह कहा है कि भारत की आत्मा उसके मंदिरों, ग्रंथों और परंपराओं में बसी है। गृह मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल में, मध्य प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने और मंदिरों के जीर्णोद्धार की जो पहल की, वह उनकी इस दृष्टि का सशक्त प्रमाण है। उज्जैन के महाकाल लोक से लेकर ओरछा के राम राजा लोक तक, उन्होंने हर कदम पर सनातन की गरिमा को पुनर्निर्मित किया। इन प्रयासों ने न केवल राज्य की सांस्कृतिक धरोहर को फिर से जीवित किया, बल्कि लाखों श्रद्धालुओं के लिए आस्था का नया केंद्र भी स्थापित किया।

डॉ. मिश्रा का सबसे बड़ा राजनीतिक हथियार उनका स्पष्ट दृष्टिकोण और साहसिक निर्णय थे। जब भी सनातन संस्कृति पर हमलावर शक्तियाँ सामने आईं, उन्होंने उनके खिलाफ हमेशा अपनी आवाज उठाई। लव जिहाद पर कड़ा कानून लागू करना हो या धर्म परिवर्तन पर रोक लगाने के लिए कानून बनाना, डॉ. मिश्रा ने यह सुनिश्चित किया कि धर्म की मयार्दाओं की रक्षा के लिए कानून उतना ही कठोर और स्पष्ट रहे जितना समाज के अन्य मुद्दों पर होता है।

डॉ. मिश्रा का सनातन धर्म के प्रति प्रेम दतिया में बने नवग्रह मंदिर में जीवित रूप से देख सकते हैं। दतिया को लघु वृंदावन का दर्जा दिलाने में उनका अत्यधिक योगदान है, और नवग्रह मंदिर का निर्माण उनके जीवन का एक अभूतपूर्व और ऐतिहासिक कार्य है। यह मंदिर न केवल श्रद्धा का प्रतीक है, बल्कि सनातन धर्म के ज्योतिषीय और स्थापत्य विज्ञान का अद्वितीय संगम भी है।

दतिया का नवग्रह मंदिर दुनिया का एकमात्र ऐसा मंदिर है, जहां नौ ग्रहों के अधिष्ठाता देवों की भव्य मूर्तियाँ शास्त्रों के अनुसार स्थापित की गई हैं। यह मंदिर न केवल आध्यात्मिक शांति का केंद्र है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति और खगोलशास्त्र का एक अद्वितीय संगम भी प्रस्तुत करता है। मंदिर की स्थापत्य कला में उत्तर और दक्षिण भारतीय कला का मिश्रण है, जो डॉ. मिश्रा की कलात्मक दृष्टि और संस्कृतिपरक दृष्टिकोण को दशार्ता है।

यह नवग्रह मंदिर दतिया को अंतरराष्ट्रीय धार्मिक मानचित्र पर एक प्रमुख स्थान प्रदान करता है। लाखों श्रद्धालु यहाँ आकर ग्रहों की शांति और आध्यात्मिक उन्नति के लिए पूजा अर्चना करते हैं। इससे न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिला है, बल्कि स्थानीय रोजगार के अवसरों में भी अभूतपूर्व वृद्धि हुई है।

डॉ. मिश्रा को उनके प्रभावशाली भाषणों और वाकपटुता के लिए भी जाना जाता है। चाहे वह विधानसभा में हो या प्रेस कांफ्रेंस में, वे सनातन धर्म विरोधी नरेटीव को तथ्यों और तर्कों से ध्वस्त कर देते हैं। वे हमेशा कहते हैं, सनातन वह प्रवाह है जिसे कोई भी बांध नहीं सकता। उनके भाषण युवाओं को प्रेरित करते हैं कि वे अपनी सांस्कृतिक धरोहर पर गर्व करें और उसे राजनीति के माध्यम से प्रोत्साहित करें।

डॉ. मिश्रा ने हमेशा संस्कृति की रक्षा के लिए आवाज उठाई है। चाहे ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर सनातन प्रतीकों का अपमान हो, या कहीं अन्यत्र सनातन के विरुद्ध कुछ हो, डॉ. मिश्रा हमेशा उसके खिलाफ खड़े हुए। उनका मानना है कि राजनीति को धर्म (कर्तव्य) के अंकुश में रहकर ही चलाना चाहिए ।सादगी और पारंपरिकता का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए, डॉ. मिश्रा ने यह सिद्ध किया है कि सत्ता के शीर्ष पर रहते हुए भी अपनी संस्कृति और परंपराओं से नाता तोड़ा नहीं जा सकता। उनकी पारंपरिक वेशभूषा और अनुष्ठान उनके सनातन धर्म के प्रति अडिग समर्पण को दशार्ते हैं। आज, डॉ. नरोत्तम मिश्रा के जन्मदिवस पर मध्य प्रदेश और देशभर से उन्हें शुभकामनाएं दी जा रही हैं। वे केवल एक राजनेता नहीं हैं, बल्कि वे उन करोड़ों सनातनी युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं, जो अपनी संस्कृति को राजनीति के माध्यम से सशक्त देखना चाहते हैं। दतिया में बना नवग्रह मंदिर उनके विराट व्यक्तित्व और सनातन धर्म के प्रति अडिग निष्ठा का प्रतीक है, जो आने वाली शताब्दियों तक उनके योगदान को याद दिलाता रहेगा।

डॉ. मिश्रा का जीवन हमें यह सिखाता है कि आधुनिकता की दौड़ में भी हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहना चाहिए। वे सनातन की ध्वजा के वाहक हैं, जो विकास और विरासत के संतुलन को समझते हैं। उनकी यह वैचारिक दृढ़ता और धर्म के प्रति अडिग निष्ठा राजनीति को एक नई दिशा प्रदान करेगी। डॉ. नरोत्तम मिश्रा को जन्मदिवस की अनंत शुभकामनाएं!

डॉ. दुर्गेश केसवानी

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त खबरें

विकसित भारत के निर्माण के लिए बाबासाहेब के विचार प्रासंगिक: ओम बिरला

नई दिल्ली, (एजेंसी) : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को कहा कि युवाओं की प्रतिभा, कौशल, नवाचार एवं समर्पण देश को और अधिक सशक्त तथा विकसित बनाएंगे।

ओम बिरला ने लोकसभा सचिवालय के संसदीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान की ओर से संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में डॉ अंबेडकर जयंती के अवसर पर आयोजित ह्यनो योर लीडर' कार्यक्रम के दौरान यह बात क-ही।

बिरला ने भारत के युवाओं को बाबासाहेब के विचारों का सच्चा प्रतिनिधि बताते हुए आह्वान किया, युवाओं को सदैव राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ कार्य करने करना चाहिए। डॉ अंबेडकर का जीवन हमें यह सिखाता है कि शिक्षा, जागरूकता और संगठित प्रयासों के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव है। आज जब हम विकसित और समावेशी भारत के निर्माण की दिशा में अग्रसर हैं, बाबासाहेब के विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। उनका संघर्ष और दर्शन हमें अन्याय, असमानता और भेदभाव के विरुद्ध खड़े होने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने कहा कि विषम परिस्थितियों के बावजूद भी बाबासाहेब ने तमाम ऊंचाइयों को छुआ तथा अपने अदम्य साहस, कठोर परिश्रम और शिक्षा के बल पर न केवल स्वयं को स्थापित किया बल्कि करोड़ों वंचितों और शोषितों के लिए आशा की नई किरण बन गए। उन्होंने अपनी प्रतिभा, समर्पण और दृढ़ निष्ठा के बल पर अपने जीवन की प्रत्येक चुनौती को अवसर में परिवर्तित किया। उनका जीवन, उनके आदर्श, उनके विचार तथा राष्ट्र निर्माण में उनका अमूल्य योगदान हम सभी के लिए चिरस्थायी प्रेरणा है। बाबसाहेब ने संविधान में समानता का अधिकार तथा बिना किसी भेदभाव के मतदान का अधिकार जैसे प्रगतिशील प्रावधानों ने एक सशक्त भारत की नींव रखी, जो न केवल भारत के लोकतंत्र को बल्कि विश्व के अन्य लोकतंत्रों को भी निरंतर प्रेरित कर रहे हैं।

अध्यक्ष ने कहा कि डॉ अंबेडकर ने समानता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुता के मूल्यों को जीवन का ध्येय बनाया और इन्हीं आदर्शों को भारत के संविधान में समाहित कर राष्ट्र को एक सशक्त दिशा प्रदान की। बाबासाहेब हमारे राष्ट्र के वह विशिष्ट रत्न हैं, जिनके जीवन एवं कार्यों ने स्वतंत्रता पूर्व एवं पश्चात की पीढ़ियों को प्रभावित किया तथा प्रेरणा के अविरल पुंज बन गए। उन्होंने कहा कि डॉ. अम्बेडकर का प्रेरणादायी जीवन और उनके आदर्श सदैव हमें एक न्यायपूर्ण, समरस और सशक्त भारत के निर्माण के लिए मार्गदर्शन करते रहेंगे।

द्रमुक के शासन में सांस्कृतिक राजधानी 'अपराध की राजधानी' में तब्दील हो रही:जेपी नड्डा

चेन्नई, (एजेंसी) : केंद्रीय स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने मंगलवार को यहां कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) एक परिवारवादी पार्टी है जिसके शासन में चेन्नई एक सांस्कृतिक राजधानी से 'अपराध की राजधानी' में तब्दील हो रही है जो पूरे देश के लिए चिंता का विषय है।

श्री नड्डा ने तमिलनाडु की राजधानी में पुथांडु (तमिल नववर्ष) और डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के शुभ अवसर पर तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के लिए अपना दृष्टिपत्र 'कमल के वादे 2026' को जारी करने के बाद समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने राज्य की वर्तमान स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए सत्तारूढ़ द्रमुक सरकार पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा, ह्लहम भारतीयों को तमिलनाडु पर बहुत गर्व है क्योंकि यह दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक का उद्गम स्थल है लेकिन मौजूदा द्रमुक सरकार के शासन में यह सांस्कृतिक राजधानी 'अपराध की राजधानी' में तब्दील हो रही है, जो गंभीर चिंता का विषय है।

श्री नड्डा ने कहा कि जब वह वंशवादी परिवार की बात करते हैं तो यह एक परिवार की ओर से संचालित पार्टी है जहां स्टालिन शीर्ष पर हैं, उदयनिधि उत्तराधिकारी हैं, कनिमोझी सहयोगी हैं। उन्होंने सवाल किया कि पार्टी इसी तरह चलती है? यह पारिवारिक शासन है। द्रमुक ने महिलाओं, युवाओं और समाज के हाशिए पर रहने वाले वर्गों के विश्वास को धोखा दिया है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से लोकतंत्र में महिलाओं का बढ़ेगा योगदान: रक्षा खडसे

नई दिल्ली, (एजेंसी) : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को ऐतिहासिक बताते हुए इसके समर्थन की अपील की है। पार्टी ने कहा है कि इस अधिनियम को लागू करने के लिए 16 अप्रैल से लोकसभा और राज्यसभा का तीन दिवसीय विशेष सत्र बुलाया गया है।

भाजपा मुख्यालय में मंगलवार को पत्रकार वार्ता में केंद्रीय युवा मामले एवं खेल राज्यमंत्री रक्षा खडसे ने कहा कि यह अधिनियम देश की नारी शक्ति को सशक्त बनाने के लिए है। संसद और विधानमंडल में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा, जिससे निर्णय प्रक्रिया में उनका योगदान बढ़ेगा। पंचायतों और नगर निकायों में पहले से ही लगभग 50 प्रतिशत आरक्षण है और वहां महिलाएं सफलतापूर्वक नेतृत्व कर रही हैं। इसी तरह अब संसद और विधानमंडलों में भी महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित होगी।

खडसे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 से ही महिलाओं के स्वास्थ्य और सशक्तिकरण पर जोर दिया है। उन्होंने लाल किले से महिलाओं के लिए योजनाओं की घोषणा की थी और उसके बाद प्रधानमंत्री आवास योजना में लगभग 72 प्रतिशत घर महिलाओं के नाम पर दिए गए। मुद्रा योजना और ह्यलखपति दीदीह्ल जैसी पहलें भी महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में सहायक रही हैं। यह अधिनियम महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने की दिशा में सबसे बड़ा कदम है।

उन्होंने ग्रामीण महिलाओं के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि आज हर गांव में स्वयं सहायता समूह सक्रिय हैं और महिलाओं ने आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह अधिनियम केवल सीटें बढ़ाने का प्रयास नहीं है बल्कि नीति निर्माण में महिलाओं की निर्णायक भागीदारी सुनिश्चित करने का संकल्प है।

छत्तीसगढ़ में रायपुर जिले के 2,163 मृत किसानों को भेजी जा रही थी पीएम किसान सम्मान निधि योजना की राशि

रायपुर, (एजेंसी) : छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले में प्रधानमंत्री(पीएम)किसान सम्मान निधि योजना के तहत भौतिक सत्यापन के दौरान एक बड़ा फजीर्वाड़ा उजागर हुआ है। रायपुर जिले में 2,163 मृत किसानों की पहचान की गई है, जिनकी मृत्यु के बाद भी उनके बैंक खातों में योजना की राशि भेजी जा रही थी। इस फजीर्वाड़े की शुरूआती जांच में 1,310 किसान अपात्र पाए गए हैं, जो योजना के नियमों के तहत लाभ लेने के योग्य नहीं थे।

अधिकारियों ने पुष्टि की है कि 1,310 अपात्र किसानों की पहचान कर ली गई है। इन सभी के नाम हटाने की सूची बनाकर राज्य मुख्यालय को भेज दी गई है। वर्तमान में इन सभी संदिग्ध खातों को ब्लॉक कर दिया गया है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने आज बताया है कि कई मामलों में किसानों की मृत्यु के बाद उनके परिजनों ने विभाग को सूचित नहीं किया और गलत तरीके से राशि प्राप्त करना जारी रखा।

रायपुर जिले में पीएम किसान सम्मान निधि योजना में यह फजीर्वाड़ा अप्रैल 2026 के मध्य में भौतिक सत्यापन के दौरान सामने आया है। प्रशासन ने अब तक 11,000 से अधिक संदिग्ध खातों की पहचान की है। इन खातों को ब्लॉक कर दिया गया है और अपात्र किसानों के नाम हटाने के लिए सूची मुख्यालय भेज दी गई है। अपात्र लाभार्थियों से भुगतान की गई राशि

की वसूली के लिए कृषि विभाग द्वारा रिकवरी नोटिस जारी करने की तैयारी की जा रही है।

रायपुर जिले में इस योजना के तहत 92,518 किसान पंजीकृत हैं। कृषि विभाग के भौतिक सत्यापन में यह खुलासा हुआ कि वर्षों तक न तो विभाग ने इनका सत्यापन किया और न ही स्वजनों ने कोई जानकारी दी। इसी लापरवाही का लाभ उठ-ाकर अपात्र और मृत किसानों के नाम पर करोड़ों रुपये का भुगतान होता रहा।

हाल ही में जारी 22वीं किस्त के तहत जिले के किसानों को 18.71 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए गए तो इसकी हकीकत सामने आ गई। फजीर्वाड़ा सामने आने के बाद अब पूरे आंकड़ों की जांच की जा रही है, ताकि अपात्र लोगों से राशि की वसूली की जा सके। कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें हितग्राहियों का पंजीयन पूरा है और उनका नाम पात्र सूची में भी शामिल है, फिर भी उनके खाते में राशि नहीं आई है। इससे हितग्राहियों में नाराजगी बढ़ रही है। इनमें रीको गांव के ओमप्रकाश यदु, रामचरण पटेल, दीनानाथ साहू, चितरेखा साहू और रजनीकांत बंजारे शामिल हैं।उन्होंने बताया कि उन्हें पिछले वर्षों में नियमित रूप से योजना की किस्त मिलती रही है। वर्ष 2026 में भी वे पात्र सूची में शामिल हैं। लेकिन इस बार उनके खाते में राशि नहीं आई। उन्होंने शिकायत दर्ज कराई है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के तहत प्रदेश में लगभग 10 प्रतिशत लाभार्थियों के खाते में वर्ष 2026 की किस्त अब तक नहीं पहुंची है, जबकि उनका नाम पात्र सूची में शामिल है और पंजीयन प्रक्रिया भी पूरी है।अधिकारियों का कहना है कि डेटा में सुधार के लिए 'करेक्शन मा-ॅड्यूल' का उपयोग किया जा रहा है ताकि केवल पात्र किसानों को ही लाभ मिले।शासन के नियमों का हवाला देते हुए अधिकारियों ने कहा है कि मृत या अपात्र किसानों के परिजनों को गलत तरीके से ली गई राशि लौटानी होगी।

सत्ता पर 'सामंती व जातिवादी सोच हावी होने के कारण संविधान अपने उद्देश्य प्राप्त करने में रहा असफल : मायावती

लखनऊ,(एजेंसी) : बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने आज सुबह लखनऊ स्थित बसपा केंद्रीय कैंप कार्यालय में बाबा साहेब डॉ. भीमराव आम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्पाजंलि करके उन्हें श्रद्धांजलि दी है। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश की सत्ता में 'सामंती और जातिवादी' सोच एवं शोषणकारी तत्वों के लगातार हावी रहने के कारण बाबा साहेब का सर्वजन हितैषी संविधान अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में सफल नहीं हो पा रहा है।

बसपा प्रमुख ने कहा कि समस्या के निदान के लिए देश व राज्यों में भी बाबा साहेब की 'सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय' नीति व सिद्धांत वाली उनकी पार्टी बसपा की सरकार बनना जरूरी है। मायावती ने कहा

कि देश में ऐसा संविधान होने के बावजूद भारत अभी तक आत्मनिर्भर व विकसित देश बनकर यहां के करोड़ों बहुजनों, जातिवादी द्वेष व जुल्म ज्यादती से मुक्त, समता और न्याय युक्त जीवन क्यों नहीं दे पाया। इसक जवाब ढूंढने पर देश में बाबा साहेब डॉ. भीमराव आम्बेडकर का 'सामाजिक परिवर्तन व आर्थिक मुक्ति' का कारवां चुनावी सफलता हासिल करके अपनी मंजिल की ओर जरूर बढ़ेगा।

बसपा प्रमुख ने आगे कहा कि जनता में हर दुख को सह लेने की शक्ति होने का यह मतलब नहीं है कि सरकारें उन्हें गरीबी,व पिछड़ेपन आदि की अंधी खाई से निकलने और उन्हें रोजी–रोटी व न्याय युक्त आत्मसम्मान का जीवन देकर ऊपर उठाने की अपनी संवैधानिक व कानूनी उत्तरदायित्वों को सही से ना निभायें, हालांकि यह जरूरी कार्य अम्बेडकरवादी पार्टी बसपा के राज में ही ज्यादातर संभव है।लखनऊ के गोमतीनगर स्थित डा. भीमराव सामाजिक परिवर्तन स्थल पर पहुंचकर अम्बेडकर स्मारक में पहुंचकर अनुयायियों ने डा. अम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। इसके लिए बसपा प्रमुख मायावती ने सभी का आभार प्रकट किया और यह यकीन दिलाया कि उनकी मेहनत यूपी में जरूर रंग लाएगी।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का लोकार्पण, उत्तराखंड में रोजगार व पर्यटन का होगा तेजी से विकास

देहरादून, (एजेंसी) : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लगभग 12 हजार करोड़ रुपये की लागत से बने 203 किलोमीटर लंबे दिल्ली-देहरादून एक्सेस कंट्रोल्ड इकोनॉमिक कॉरिडोर को राष्ट्र को समर्पित किया। यह एक्सप्रेसवे दिल्ली और देहरादून के बीच कनेक्टिविटी को मजबूर करेगा और देश के आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करेगा।

देहरादून गढ़ीकैंट में स्थित सेना के जसवंत सिंह मैदान पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने देहरादून-दिल्ली एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण किया।यह 12 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड वाइल्ड लाइफ कॉरिडोर राजाजी नेशनल पार्क और शिवालिक जंगलों की सुंदरता अपने में समाए हुए है। यहएशिया का सबसे लंबा एलिवेटेड वाइल्ड लाइफ कॉरिडोर है, जो ऊपर तेज रफ़्तार वाहन और नीचे जंगली जानवरों (हाथी, बाघ, सांभर) की सुरक्षित आवाजाही के अनुसार बनाया गया है। यह आर्थिक गलियारा उत्तराखंड की प्रगति की नई राह खोलेगा और एक्सप्रेस-वे से उत्तराखंड में रोजगार, पर्यटन, उद्योग समेत अन्य संभावनाओं का तेजी से विकास होगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने 1962 युद्ध के योद्धा जसवंत सिंह को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। इस अवसर पर केन्द्रीय सड़क व परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, राज्यपाल गुरमीत सिंह, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, केन्द्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी, पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा, त्रिवेंद्र सिंह रावत, तीरथ सिंह रावत, रमेश पोखरियाल निशंक, सांसद अनिल बलूनी आदि उपस्थित रहे।

उत्तराखंड से मानसरोवर की यात्रा जल्द कर सकेंगे श्रद्धालु, दो सौ किमी सड़क निर्माण पूरा: गडकरी

देहरादून, (एजेंसी) : केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि मानसरोवर यात्रा के लिए नेपाल और चीन से होकर जाना पड़ता था, लेकिन अब 52 सौ करोड़ रुपए की लागत से टनकपुर-पिथौरागढ़ होकर लिपुलेख तक मार्ग बनाया जा रहा है। 370 किमी लंबे इस प्रोजेक्ट में से करीब 200 किमी.का कार्य पूरा हो चुका है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी मंगलवार को दिल्लीझदेहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर के उद्घाटन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कररहे थे। केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने उत्तराखंड में चल रही विकास परियोजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि उत्तराखंड में करीब 1.30 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं पर कार्य जारी है। सहारनपुर बाईपास से हरिद्वार तक 51 किलोमीटर छह लेन सड़क का उद्घाटन जून में होगा, जबकि 1650 करोड़ रुपये की लागत से पौंटा साहिब से देहरादून फोरलेन मार्ग अगले महीने तक शुरू हो जाएगा। दिल्लीझदेहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर राज्य के विकास को नई गति देगा। उन्होंने बताया कि 16 सौ करोड़ रुपये की लागत से हरिद्वार ग्रीनफील्ड बाईपास फेज-1 अक्टूबर 2026 तक पूरा होगा, जिससे हरिद्वार और ऋषिकेश में जाम की समस्या कम होगी केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इसी तरह 12 हजार करोड़ की लागत से निमार्णाधीन 825 किमी लंबी चारधाम सड़क परियोजना में 640 किमी.का काम पूरा हो चुका है। बताया कि 11 सौ करोड़ रुपये की लागत से ऋषिकेश बाईपास परियोजना को मंजूरी मिल चुकी है, जिस पर अगस्त तक काम शुरू होगा। इसके अलावा 1050 करोड़ रुपये की लागत से 21 किमी लंबा रुद्रपुर फोरलेन बाईपास इस साल अक्टूबर तक और 936 करोड़ रुपये की लागत से 15 किमी लंबा काशीपुर बाईपास दिसंबर 2026 तक पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 716 करोड़ रुपये की लागत से 12 किमी लंबा देहरादून-झाझरा-आशारोड़ी एलिवेटेड रोड अगले वर्ष अप्रैल तक और 745 करोड़ रुपये की लागत से भानियावाला-जौलीग्रांट से ऋषिकेश फोरलेन मार्ग अप्रैल 2028 तक पूरा होगा।

श्रीनगर-लेह राजमार्ग पर जोजिला सुरंग का निर्माण कार्य पूरा होने के करीब

श्रीनगर, (एजेंसी) :श्रीनगर-लेह राजमार्ग पर स्थित रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जोजिला सुरंग एक महत्वपूर्ण पड़ाव के करीब पहुंच रही है। खुदाई का काम मई के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है। एक बार पूरा होने पर 13 किलोमीटर से अधिक लंबी यह सुरंग कश्मीर और लद्दाख के बीच हर मौसम में संपर्क प्रदान करेगी, जिससे खतरनाक जोजिला दर्रे को पार करना साल भर संभव हो सकेगा।

मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड के संयुक्त मुख्य परिचालन अधिकारी हरपाल सिंह ने कहा कि जोजिला सुरंग की कुल 13,155 मीटर लंबाई में से केवल लगभग 300 मीटर की खुदाई शेष है, जिससे परियोजना एक महत्वपूर्ण सफलता के करीब पहुंच गई है। हमें मई के अंत या जून के पहले सप्ताह तक पूरा होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इस

महत्वपूर्ण उपलब्धि को प्रतीकात्मक रूप से तब चिह्नित किया जाएगा, जब कश्मीर के बाल्टल और द्रास क्षेत्र के मीनामर्ग, दोनों छोरों से काम कर रही टीमें सुरंग के अंदर मिलेंगी। सिंह ने कहा कि उपलब्धि पूरी होने के बाद बाल्टल और मीनामर्ग दोनों तरफ के लोग सुरंग के अंदर हाथ मिलाएंगे। यह एक ऐतिहासिक क्षण होगा और इससे आगे का काम आसान हो जाएगा।

दुनिया के सबसे चुनौतीपूर्ण भूभागों में से एक में बन रही यह सुरंग भारत की सबसे लंबी सड़क सुरंग और एशिया की सबसे लंबी द्विदिशात्मक सुरंग बनने जा रही है। इससे सोनमर्ग और द्रास के बीच यात्रा का समय लगभग तीन घंटे से घटकर लगभग 15 मिनट होने की उम्मीद है। अधिकारियों ने बताया कि खुदाई में सफलता मिलने की उम्मीद 2026 के मध्य तक है लेकिन परियोजना को पूरा करने का लक्ष्य फरवरी 2028 ही रहेगा।

जोजिला सुरंग का रणनीतिक और आर्थिक महत्व बहुत अधिक है। यह लद्दाख को निर्बाध रूप से जोड़ेगी जो भारी बर्फबारी के कारण हर साल कई महीनों तक कटा रहता है। बेहतर संपर्क से पर्यटन, व्यापार और रक्षा रसद को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। वर्तमान में जोजिला मार्ग पर यातायात काफी हद तक मौसम पर निर्भर है। भारी हिमपात और बार-बार होने वाले भूस्खलन के कारण सर्दियों के महीनों में अक्सर सड़कें लंबे समय तक बंद रहती हैं। पिछले महीने जोजिला दर्रे पर हिमस्खलन के कारण कई वाहन बर्फ और मलबे के नीचे दब गए जिसमें सात लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए।

सिंधिया ने प्रधानमंत्री संग्रहालय में एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

नई दिल्ली, (एजेंसी) : केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय (पीएमएमएल) के चौथे स्थापना दिवस पर ह्यएक भारत श्रेष्ठ भारतह्ल फिलाटेलिक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने संविधान, बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर और प्रधानमंत्री कार्यालय के स्थापना दिवस से जुड़े विशेष पोस्टकार्ड्स का लोकार्पण किया।

कार्यक्रम में पीएमएमएल की कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा, महानिदेशक (डाक) जितेंद्र गुप्ता समेत डाक विभाग और प्रधानमंत्री संग्रहालय के अधिकारी मौजूद रहे।

इस दौरान सिंधिया को देश के प्रधानमंत्रियों और संविधान निमार्ता बाबा साहेब अंबेडकर से जुड़ी

उनकी उपलब्धियों की डाक्यूमेंट्री भी दिखाई गई। उन्होंने पीएमएमएल परिसर में लगाए गए देश के सभी प्रधानमंत्रियों के योगयान को लेकर जारी किए गए आज तक के सभी डाक टिकट भी देखे।

सिंधिया ने कहा कि आज का दिन संविधान और बाबा साहेब को श्रद्धांजलि देने का है। डाक विभाग और प्रधानमंत्री संग्रहालय मिलकर देशभर में प्रदर्शनी और सुविधाओं के माध्यम से साझेदारी को आगे बढ़ाएंगे। इसके तहत प्रधानमंत्री संग्रहालय में डाक विभाग का एक आउटलेट स्थापित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जैसे पिछले 75 वर्षों से डाक विभाग ने भारत की स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक प्रणाली में योगदान दिया है, वैसे ही आने वाले 22 से 30 वर्षों में भी यह विभाग अपनी जिम्मेदारी निभाएगा। उन्होंने इसे केवल श्रद्धांजलि नहीं बल्कि संकल्प बताया कि आने वाले भारत को आत्मनिर्भर, सशक्त और विकसित बनाने की दिशा में हम सब मिलकर आगे बढ़ेंगे। करीब 45 मिनट तक चले इस कार्यक्रम में प्रदर्शनी का उद्घाटन, फिलाटेलिक डिस्प्ले का अवलोकन, पोस्टकार्ड्स का लोकार्पण और एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

देश में ओवरलोड वाहनों पर शुल्क वसूली के नए नियम कल से प्रभावी

नई दिल्ली, (एजेंसी) : केंद्र सरकार ने देश के सभी राष्ट्रीय राजमार्गों पर ओवरलोड वाहनों से शुल्क वसूली की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए नए नियम लागू किए हैं। ये संशोधित प्रावधान 15 अप्रैल से प्रभावी होंगे।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क (दर निर्धारण और संग्रहण) चौथा संशोधन नियम, 2026 अधिसूचित किया है। नए प्रावधानों के तहत 10 प्रतिशत तक अतिरिक्त भार पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। 10 से 40 प्रतिशत तक अतिरिक्त भार पर मूल दर का दो गुना शुल्क और 40 प्रतिशत से अधिक भार पर मूल दर का चार गुना शुल्क वसूला जाएगा।

ओवरलोडिंग की जांच प्रमाणित वजन माप उपकरणों से की जाएगी, जो शुल्क प्लाजा पर लगाए जाएंगे। जहां वजन माप सुविधा उपलब्ध नहीं होगी, वहां ओवरलोड शुल्क नहीं लिया जाएगा। शुल्क की वसूली केवल फास्टैग से की जाएगी और ओवरलोड वाहनों का विवरण राष्ट्रीय वाहन रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा।

मंत्रालय ने कहा कि यह संशोधन सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने, राजमार्गों की संरचना की रक्षा करने और निर्धारित भार सीमा का पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया है। अधिसूचना में विभिन्न श्रेणियों के वाहनों के लिए शुल्क गणना का विस्तृत उदाहरण भी दिया गया है ताकि पारदर्शिता बनी रहे।

15-04-2026 T.P. Page 8_Layout 1 15-04-2026 07:49 Page 1

सुकून और सुंदरता

का एक ही नाम सफेद

- विज्ञान ने भी साबित किया है कि गर्मियों में हल्के सुहाने रंग राहत और सुकून पहुंचाते हैं। और यदि तेज, चुभती धूप में कपड़ों का रंग सफेद हो तो... ये बिल्कुल जादू की तरह काम करता है। देखकर सुकून का आभास होता है।
- सफेद लिबास के साथ अवचेतन में इतनी शुभ्रता, शुचिता, सुकून के अहसास जुड़े हैं कि सफेद

गाउन में सजी कोई युवती पहली नजर में परियों-सी लगती है। हम जब भी खूबसूरती, मासूमियत और अलौकिकता की साझी कल्पना करते हैं तो दिलो-दिमाग में सफेद वस्त्रों में सजी परियां थिरक उठती हैं। बहरहाल, जिन देशों में मार्च के कदम रखते ही गर्मी भी दस्तक देने लगती है, वहां चिलचिलाती धूप और बेचैन करने वाली तपिश के दिनों में फैशन और सुकून का एक ही रंग दिखता है, सफेद।

- साल 2012 का प्रतिनिधि रंग कोई भी हो, दहलीज पर गर्मी के कदम पड़ते ही सफेद रंग की हुकूमत चारों तरफ दिखाई देने लगती है। यह महज संयोग नहीं है कि हर साल स्प्रिंग कलेक्शन यानी बसंत ऋतु में होने वाले फैशन सप्ताहों में सफेद रंग की बादशाहत दिखती है। गर्मियों में हल्का-फुल्का, ढीला-ढाला और कैजुअल कुछ भी पहन सकते हैं। चाहे बीच पार्टियां हों, चाहे किसी के जन्मदिन की पार्टी- सफेद हर जगह शानदार लगता है, गरिमामय लगता है। सफेद लिबास के साथ एक और सुविधा है। आप कई तरह की एक्सेसरीज पहन सकते हैं। बहुत कम ऐसे मौसम होते हैं जिनका कोई प्रतिनिधि रंग हो, लेकिन गर्मी का अपना प्रतिनिधि रंग है, सफेद। इन दिनों भड़कीले या बहुत धुंधले (डल) रंग न दिल को भाते हैं न आंखों को। सिर्फ अपने तन में ही नहीं, दूसरों पर भी इन दिनों सफेद रंग के कपड़े अच्छे लगते हैं।
- लड़कियों में सफेद कुर्ते, सफेद टॉप, सफेद गाउन कुछ इस तरह खिलते हैं, जैसे वाकई ये उजली-उजली परियां हों। एक फायदे की बात यह है कि आज सफेद रंग में हर तरह की एक्सेसरीज आसानी से मैच करती है।
- आप सफेद टॉप के साथ नीली जींस का क्लासिक कॉम्बिनेशन इस्तेमाल कर सकते हैं तो आमतौर पर काले को छोड़कर (...और वो भी इसलिए, क्योंकि काला रंग रोशनी को सोखता है, इसलिए इन दिनों बेचैन करता है) कोई भी रंग सफेद के साथ मैच कर जाता है यानी सफेद के साथ कॉम्बिनेशन बनाने में आपको कतई परेशान होने की जरूरत नहीं पड़ती है।
- इसकी रसायनिक विशिष्टता तो यह है कि यह आंखों का सुकून और दिल को ठंडक पहुंचाता है। यह हमारी तमाम उग्रता को ठंडा कर देता है।
- सफेद महज रंग नहीं है, यह पूरी संस्कृति है। यह एक पूरी सभ्यता है इसलिए सफेद रंग जितना चिलचिलाती गर्मी से सुकून देता है, वैसे ही बेचैन करने वाली भावनाओं के मामले में भी सुकून पहुंचाता है। यही कारण है कि दुनियाभर में बच्चों की मासूमियत को उभारने के लिए उन्हें उसके साथ जोड़कर देखने के लिए ज्यादातर स्कूलों की यूनीफॉर्म सफेद होती है।
- सफेद रंग शांति और शुद्धता का प्रतीक है। जब फिजा में आतिशी हवा के झोंके हों, कपड़े बेचैन करते हों, भला उस समय भड़कीले रंग किसे अच्छे लगते हैं यही वजह है कि पश्चिम से लेकर पूरब तक और उत्तर से लेकर दक्षिण तक गर्मियों में सफेद लिबास का जलवा दिखता है।
- डॉक्टर सफेद कोट पहनते हैं, क्योंकि वे यह बताना चाहते हैं कि यह रंग ईमानदारी, पवित्रता और ईश्वरीयता का प्रतिनिधि है।
- सफेद रंग के साथ कई फायदे हैं- भावनात्मक, कुदरती और सामाजिक भी। इसकी सामाजिकता में भी समरसता है। यही कारण है कि सफेद रंग सबको भाता है, सब पर फबता है चाहे सेलिब्रिटीज पहन लें या फिर कोई आम आदमी। सबको यह रंग आकर्षित करता और सब पर यह रंग आकर्षक लगता है। ऐसा नहीं है कि हम सफेद कपड़े कभी भी पहन सकते हैं।
- वाकई सफेद सदाबहार रंग है और इसके इतने विस्तृत आयाम हैं कि अगर आपने कई जोड़ी यानी जरूरत से ज्यादा भी इन दिनों सफेद कपड़े खरीद लिए हैं तो आपको सर्दियों के कपड़ों की तरह संदूक में साल के बाकी महीनों के लिए नहीं रखने पड़ेंगे। आप इन्हें लगातार पहन भी सकते/ सकती हैं। सफेद रंग के साथ आप अपनी चाहतों के सभी रंगों की एक्सेसरीज पहन सकती हैं। सफेद रंग कभी भी आउट ऑफ फैशन नहीं होता है। यह हमेशा खूबसूरत और ट्रेंडी लगता है।
- गर्मियों में सफेद टी-शर्ट और टॉप के जलवे देखते ही बनते हैं। मर्लिन मुनरो आज भी चेतन-अवचेतन में अगर किसी परी की तरह कैद हैं तो उसी सफेद ड्रेस में। गर्मियों में तमाम सेलिब्रिटीज सफेद रंग में ही नजर आते हैं तो आप क्यों न नजर आएं। इसलिए अगर सीजन की खरीदारी करने के लिए निकलना है तो अपनी सूची में सफेद कपड़ों के लिए जगह बना लीजिए, आखिर इन गर्मियों में परियों की तरह जो लगना है।

जब तक बच्चा स्कूल न जाए तब तो ठीक है, अगर वह रात में देर से भी सोता है तो सुबह देर तक सोकर अपनी नींद पूरी कर सकता है, लेकिन जब वह स्कूल जाने लगता है तो उसकी नींद पूरी नहीं हो पाती और वह चिड़चिड़ाने लगता है...।

कैसे शुरू करें बच्चों की

बेड टाइम ट्रेनिंग

आज की लाइफ स्टाइल पहले की लाइफ स्टाइल से बहुत अलग है। मोबाइल, टीवी, इंटरनेट ने हमारी जिंदगी में जितनी चीजें आसान बना दी है, उतना ही हम व्यस्त भी हो गए हैं। अगर आपके बच्चे का प्री-स्कूल जाने का समय आ गया है और उसका अभी भी रात में सोने का कोई निर्धारित समय नहीं है तो यह आपके लिए एक समस्या का कारण हो सकता है।

जब तक बच्चा स्कूल न जाए तब तो ठीक है। अगर वह रात में देर से भी सोता है तो सुबह देर तक सोकर अपनी नींद पूरी कर सकता है, लेकिन जब वह स्कूल जाने लगता है तो उसकी नींद पूरी नहीं हो पाती और वह चिड़चिड़ाने लगता है...।

नींद पूरी न होने से बच्चे के मस्तिष्क का पूरा विकास नहीं हो पाता। क्या आप अपने बच्चे के स्कूल की शुरुआत ऐसे करना चाहेंगे? इसलिए शुरू से उसे बेड टाइम ट्रेनिंग की आदत डालनी चाहिए।

यह ठीक उसी तरह है जिस तरह हमारी मां हमें सोने से पहले अपनी लोरियां सुनाती थीं। आइए जानें कुछ ऐसी बातें जिससे हम अपने बच्चे को ट्रेंड कर सकते हैं बेड टाइम ट्रेनिंग के लिए-

1. बेड टाइम ट्रेनिंग आप 4 से 5 माह के बच्चे के साथ कर सकते हैं। शुरुआत में आपको थोड़ी समस्या जरूर होगी लेकिन बाद में यह बहुत मददगार साबित होगी। बच्चे को सुलाने से पहले आप उनकी हल्की-हल्की मालिश कीजिए। गुनगुने पानी से उनका मुंह-हाथ धोएं (स्पंज करना)।
2. उनके कपड़े बदलकर उन्हें बेड के लिए तैयार करें। एक समय पर कमरे की लाइट्स बंद कर दें। ऐसा करके आप उन्हें सिग्नल दे रहे हैं और बेड टाइम के लिए तैयार कर रहे हैं।
3. बच्चों को कोई गाना, सॉफ्ट म्यूजिक सुनाएं। लाइट बंद करने से पहले आप बच्चों को पिक्चर बुक्स भी दिखा सकती हैं। ऐसा करने से बच्चों को बुक्स पड़ने की आदत पड़ती है।
4. सोने से पहले भगवान का कोई सा मंत्र भी सुना सकती हैं। कुछ बच्चों को अपना मनपसंद खिलौना लेकर सोना भी अच्छा लगता है। बच्चों को सोने से पहले सॉफ्ट म्यूजिक सुनना बहुत अच्छा लगता है और उसे सुनने से उनके दिमाग का विकास भी होता है इसीलिए तो बरसों से चलता आ रहा लोरी का एक अपना ही महत्व है।
5. छोटे बच्चे (6 माह से 1 साल के बीच) रात में दूध के लिए जरूर उठते हैं। धीरे-धीरे उसका भी एक समय बनाते जाएं जिससे बच्चा और आप दोनों अच्छे से अपनी नींद पूरी कर सकें।
6. जैसे-जैसे बच्चा धीरे-धीरे बड़ा होता है, आप उसे बेड में जाने से पहले मुंह-हाथ धुलाकर ब्रश करना सिखाएं। कपड़े बदलकर उन्हें बेड के लिए तैयार करें। सोने से पहले उन्हें दूध जरूर दें। उन्हें उनका मनपसंद खिलौना दें।
7. उन्हें किताब से कहानी सुनाएं। शुरुआत में तो बच्चे को टाइम देना आवश्यक है, लेकिन धीरे-धीरे बच्चे को जब इस टाइम टेबल की आदत हो जाएगी तो आपके और बच्चे दोनों के लिए ही बहुत लाभदायक होगा।
8. शाम को उसे कोई हॉबी क्लास या बगीचे में घूमने के लिए ले जाएं जिससे बच्चा अपना समय टीवी और लैपटॉप में न देकर खेले-कूदे और थक जाए। ऐसा करने से उसे नींद अच्छी आएगी और जल्दी आएगी।

कोशिश करें कि धीरे-धीरे उसे अपने आप टाइम से बेड पर जाने की आदत हो जाए ताकि आप भी अपने आपको कुछ समय दे सकें।

ऐसे करें अपने बच्चे को प्री-स्कूल भेजने की तैयारी

अपने बच्चे को प्री-स्कूल या आंगनवाड़ी भेजना बहुत बड़ा कदम है और यह टेंशन भी पैदा करता है। यहां गाइड आपको बताएंगे कि आप क्या उमीद रखें, जब आप अपने बच्चे को पहली बार स्कूल लेकर जाएं।

1. अपने बच्चे से प्री-स्कूल या आंगनवाड़ी के बारे में बात करें, उन्हें समझाने की कोशिश करें कि आप उसे अपने से दूर नहीं भेज रही है। उनसे उनके व्यहवार के बारे में बात करें और मूल बातें सिखाएं।
2. स्कूल के पहले दिन के लिए क्या-क्या आवश्यक है, इस बारे में पता करें- जैसे पढ़ने का समय, नाश्ते का समय आदि ताकि आप उन्हें समझा सकें कि स्कूल से वे क्या उम्मीद रखें।
3. स्कूल की जरूरत की चीजें खरीदने में मजा लाए जैसे आपके बच्चे के पसंदीदा कार्टून की पेंसिल खरिदें, अपने बजट का ध्यान रखें।
4. एक रात पहले उनसे पूछे कि स्कूल को लेकर उनके मन में क्या सवाल है?
5. उन्हें स्कूल छोडने जाएं और जब स्कूल खत्म हो तब स्कूल के बाहर उनका इंतजार करें।
6. अपने बच्चे की टीचर से हर रोज बातचीत करते रहे, उनसे समय-समय पर मिलकर बच्चे के बारे में जानकारी लें। इससे आपके बच्चे को स्कूल में नई सफलता मिलने लगेंगी। पता करें कि आप ऐसा क्या कर सकती है, जिससे आपके बच्चे और उसकी टीचर को मदद मिले।
7. अपने बच्चे से रोज पूछे कि उसने स्कूल में क्या किया? आपके बच्चे को पता होना चाहिए की स्कूल कितना जरूरी है।

लगभग 96 प्रतिशत महिलाएं दिन में एक बार किसी-न-किसी बात पर अपराध बोध महसूस करती हैं। वो कौन-सी बातें हैं, जिनके लिए हम खुद को दोषी ठहराती हैं और क्या है इस अपराध बोध से निकलने का तरीका।

पछताना छोड़ें

खुश रहना सीखें

क्या दिन में कम-से-कम एक बार आप इस बात का अफसोस जताती हैं कि मेरा वजन जरूर बढ़ गया है या फिर आज फिर से घर की सफाई को अधूरा छोड़कर मैं ऑफिस आ गई। अगर इन सब सवालों का जवाब हां में है, तो घबराएं नहीं। अधिकांश महिलाओं का यह स्वभाव होता है। पर परेशानी की बात यह है कि हर चीज के लिए खुद को दोषी ठहराने की हमारी आदत धीरे-धीरे हमारे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित होती जाती है। हर बिगड़े हुए काम के लिए खुद को लगातार दोषी ठहराने की आपकी यह आदत आपको अवसाद के घेरे में भी ले सकती है। बेहतर तो यह होगा कि इन अवसादों से उबरने का तरीका आप सीख लें।

बच्चों के साथ वक्त नहीं बिता पाती

अधिकांश काम-काजी मां का यह मानना होता है कि वे ऑफिस की अपनी जिम्मेदारियों और बच्चों की जिम्मेदारी के बीच सही संतुलन नहीं बना पाई हैं। पर सवाल यह है कि ऑफिस में रहकर बच्चों को वक्त न दे पाने का अफसोस जताने से न तो बच्चों के साथ आप वक्त बिता पा रही हैं और न ही ऑफिस की जिम्मेदारियों को पूरा करने में आप अपना 100 प्रतिशत दे पाएंगी। इस समस्या का एकमात्र हल यह है कि आप जो भी काम वर्तमान में कर रही हैं, उसे अपना 100 प्रतिशत दें। अगर ऑफिस में हैं तो वहां की जिम्मेदारियां पूरी तन्मयता से पूरी करें और अगर घर पर हैं तो बच्चों को पूरा वक्त दें।

वजन कम ही नहीं कर पा रही

70 प्रतिशत से ज्यादा महिलाएं कभी-न-कभी डाइटिंग करती हैं, बावजूद इसके कि उन्हें वजन कम करने की जरूरत हो या नहीं। अगर आप वाकई स्लिम और खूबसूरत दिखना चाहती हैं तो इस दिशा में आपको गंभीर प्रयास करना होगा। नियमित एक्सरसाइज करें या फिर जिम जाने के लिए वक्त निकालें। साथ ही इस बात को स्वीकारें कि वजन कम करना या फिर बढ़ाना आप पर पूरी तरह से निर्भर करता है, इसलिए खुद को दोष देने की जगह इस दिशा में प्रयास करें।

शॉपिंग में कुछ ज्यादा ही पैसे खर्च कर दिए

हर महिला को शॉपिंग करने में मजा आता है, पर कई लोग ढेर सारे शॉपिंग बैग के साथ घर लौटने के बाद अपराध बोध से ग्रस्त हो जाते हैं। पर आपको यह समझना होगा कि जब परिवार के अन्य सदस्यों पर खर्च करने से आपको किसी तरह का अपराध बोध नहीं होता, तो फिर खुद पर खर्च करने के बाद पछतावा क्यों? दूसरी बात यह भी है कि अगर आप शॉपिंग के दौरान खरीदे गए सामानों पर गौर करेंगी, तो पाएंगी कि आप सिर्फ उन्हीं चीजों पर खर्च कर रही हैं, जिसकी आपको वाकई जरूरत है।

कभी टाइम पर नहीं पहुंच पाती

कभी-कभार, स्थिति ऐसी पैदा हो जाती है कि लाख कोशिशों के बावजूद हम वक्त पर नहीं पहुंच पाते हैं। कभी-कभी हमारी इमेज ही लेट-लतीफ वाली बन जाती है। इसका परिणाम यह होता है कि हम अपराधबोध से ग्रस्त हो जाती हैं। ऑटो या बस में बैठकर और जाम में घंटों फंसे रहकर इस बात का अफसोस करने से कोई फायदा नहीं है कि आप लेट पहुंचने वाली हैं। कभी-कभार अपनी गलती के बिना भी आप किसी मीटिंग में देर से पहुंच सकती हैं। ऐसी घटनाओं के लिए खुद को दोष देना बंद करें।

खुद के लिए वक्त नहीं मिलता

सुपर वुमेन बनने की चाहत या मजबूरी के चलते महिलाओं को अक्सर खुद के लिए ही वक्त नहीं मिलता। फिर धीरे-धीरे शुरू होता है इस बात का अफसोस कि अपनी मनपसंद किताब पढ़े सालों बीत गए या फिर पार्लर जाने के लिए वक्त ही नहीं मिलता। पर आपको इस बात को समझना होगा कि कभी-कभार कुछ ना करना भी जरूरी है ताकि आप शारीरिक और मानसिक रूप से ऊर्जावान बन सकें।